छ.ग. राज्य विद्युत कम्पनी मर्या. की गृह पत्रिका

# संकल्प

**मार्च-अप्रेल 2020 ■ वर्ष-17**

STAY HOME
SAVE LIVES








स्वच्छ भारत
एक कदम स्वच्छता की ओर

EYE ON DEVELOPMENT OF CHHATTISGARH

छ.ग. राज्य विद्युत कम्पनी मर्या. की गृह पत्रिका

# संकल्प

मार्च-अप्रैल 2020 ■ वर्ष-17

## संरक्षक

**श्री सुब्रत साहू** (IAS)
अध्यक्ष

**श्री मो. कैसर अब्दुलहक** (IAS)
प्रबंध निदेशक
(डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी)

**श्री अशोक कुमार**
प्रबंध निदेशक
(ट्रांसमिशन कंपनी)

**श्री एन.के. बिजौरा**
प्रबंध निदेशक
(जनरेशन कंपनी)

**श्री राजेश शर्मा**
प्रबंध निदेशक
(ट्रेडिंग कंपनी)

**संपादक : संकल्प**

**विजय कुमार मिश्रा**
अतिरिक्त महाप्रबंधक (जनसंपर्क)

सहयोग : **जाबिर मोहम्मद कुरैशी**

छायाकार : **संजय टेम्भे**

छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर होल्डिंग कं. मर्या., इंगनिया, रायपुर, छत्तीसगढ़
e-mail : vijay.mishra361@gmail.com

## छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर कंपनी मर्यादित

### प्रदेश में विद्युत प्रगति का पटल

| | नवंबर 2000 | मार्च 2020 |
|---|---|---|
| ताप विद्युत क्षमता | 1240 मेगावॉट | 3080 मेगावॉट |
| जल विद्युत क्षमता | 120 मेगावॉट | 138.70 मेगावॉट |
| कुल ताप, जल विद्युत क्षमता | 1360 मेगावॉट | 3224.70 मेगावॉट |
| क्षमता वृद्धि | --- | 1864.70 मेगावॉट |
| अति उच्चदाब उपकेंद्रों की संख्या | 27 नग | 121 नग |
| अति उच्चदाब लाइनों की लंबाई | 5205 सर्किट कि.मी. | 12753 सर्किट कि.मी. |
| केपेसिटर स्थापित क्षमता | 94 एमव्हीएआर | 1085 एमव्हीएआर |
| 33/11 केव्ही उपकेंद्रों की संख्या | 248 नग | 1314 नग |
| 33 केव्ही लाइनों की लंबाई | 6988 सर्किट कि.मी. | 22898 स. कि.मी. |
| 11/04 केव्ही उपकेंद्रों की संख्या | 29692 नग | 180691 नग |
| 11 केव्ही लाइनों की लंबाई | 40556 कि.मी. | 116872 कि.मी. |
| निम्नदाब लाइनों की लंबाई | 51314 कि.मी. | 199109 कि.मी. |
| विद्युतीकृत मजरा टोलों की संख्या | 10375 | 39344 |
| विद्युतीकृत पंपों की संख्या* | 73369 | 443424 |
| एकलबत्ती कनेक्शन की संख्या* | 630389 | 2014764 |

*प्रावधिक

# छत्तीसगढ़ पॉवर कंपनीज के अध्यक्ष बने श्री सुब्रत साहू

***छत्तीसगढ़ शासन के ऊर्जा विभाग द्वारा जारी आदेशानुसार छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर कंपनीज के अध्यक्ष के पद पर छत्तीसगढ़ शासन के अपर मुख्य सचिव श्री सुब्रत साहू भारतीय प्रशासनिक सेवा (1992) की पदस्थापना की गई, तदनुसार उन्होंने पॉवर कंपनी मुख्यालय, विद्युत सेवा भवन डंगनिया में 17 मार्च को पदभार ग्रहण किया। वे छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर कंपनीज के निदेशक भी होंगे।***

**पुष्पगुच्छ के बजाय किताबें भेंट करने अनुकरणीय परामर्श**

इस अवसर पर नवनियुक्त अध्यक्ष श्री साहू ने राज्य शासन की रीति-नीति के अनुरूप पॉवर कंपनीज की गतिविधियों, योजनाओं को गति देने के साथ ही उपभोक्ता सेवा में बेहतर सुधार लाने हेतु उच्चाधिकारियों से चर्चा की। चर्चा के दौरान उन्होंने पुष्पगुच्छ, पुष्प हार से स्वागत के बजाय किताबें भेंट करने की परम्परा को अपनाने अनुकरणीय परामर्श दिया। पदभार ग्रहण उपरान्त नवपदस्थ अध्यक्ष श्री साहू को पॉवर वितरण कंपनी के प्रबंध निदेशक श्री मोहम्मद केसर अब्दुल हक (भा.प्र.से.), ट्रांसमिशन कंपनी के प्रबंध निदेशक श्री अशोक कुमार एवं जनरेशन कंपनी के प्रबंध निदेशक श्री एन.के. बिजौरा सहित अन्य उच्चाधिकारियों, पॉवर कंपनी के कर्मियों ने बधाई एवं शुभकामनाएं दी।

पॉवर कंपनी में नवनियुक्त अध्यक्ष श्री सुब्रत साहू, मुख्यमंत्री छग शासन के अपर मुख्य सचिव के साथ ही गृह, जेल विभाग, उर्जा, सूचना प्रौद्योगिक, वाणिज्य एवं उद्योग विभाग के अपर मुख्य सचिव का दायित्व भी संभाल रहे हैं। दीर्घ प्रशासनिक अनुभव के साथ ही आपको हार्वर्ड विश्वविद्यालय में दो बार सम्बोधन करने का भी गौरव प्राप्त है। मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी के तौर पर विधानसभा तथा लोकसभा निर्वाचन का निर्बाध संचालन भी आपने किया है। इस हेतु वर्ष 2019 में भारत निर्वाचन आयोग द्वारा निर्बाध और सुगम निर्वाचन कार्यों के सम्पादन के लिए आपको सम्मानित किया गया। आपने धमतरी, दुर्ग तथा सरगुजा में कलेक्टर के तौर पर अपनी सफलतम सेवाएं दी। बिलासपुर सभांग के संभाग आयुक्त के अलावा स्कूल शिक्षा, स्वास्थ विभाग, महिला एवं बाल विकास विभाग तथा खाद्य विभाग में सचिव के तौर पर आपने सेवाएं दी है।

## किताब, जेब में रखा एक बगीचा है...

- पुस्तक देती हमको ज्ञान, जब होता मन परेशान।
- पुस्तक में होती है नई खोज, पुस्तक से मिलती नई सोच।
- किताबें ज्ञान का वह भंडार है, जिसे बांटने से वह और बढ़ता है।
- पुस्तकों का मूल्य रत्नों से अधिक है, क्योंकि रत्न बाहरी चमक-दमक दिखाते हैं, जबकि पुस्तकें अंत:करण को उज्ज्वल करती हैं।
- किताबें एक ऐसा उपहार हैं जिसे आप बार-बार खोल सकते हैं।
- पुस्तकें, संचित ज्ञान की जलती हुई दीपक हैं।
- एक अच्छी किताब सबसे अच्छी दोस्त होती है। आज के लिए और हमेशा के लिए।
- किताब पढ़ना हमें अकेले में विचार करने की आदत और सच्ची ख़ुशी देता है।
- किताबें वह साधन हैं जिनके माध्यम से हम विभिन्न संस्कृतियों के बीच पुल का निर्माण कर सकते हैं।
- जब भी आप कोई अच्छी किताब पढ़ते हैं, तो कहीं न कहीं दुनिया में आपके लिए रोशनी का नया दरवाजा खुलता है।
- बिना किताबों के कमरा बिना आत्मा के शरीर के समान है।
- किताबें जलाने से भी बदतर अपराध हैं, किताबों को नहीं पढ़ना।
- अच्छी किताबें न पढ़ें। जीवन इसके लिए बहुत छोटा है। केवल सर्वश्रेष्ठ किताबें पढ़ें।

# वनांचलों में स्थित सुदूर ग्राम गोला पल्ली, रायगुडा एवं तरलागुडन में 72 वर्ष बाद हुये घर रोशन

***इन ग्रामों में वर्ष 2017 एवं वर्ष 2018 में क्रेडा विभाग द्वारा होम लाईट का वितरण किया गया था। छत्तीसगढ़ राज्य विद्युत वितरण कंपनी द्वारा मुख्यमंत्री मजरा टोला विद्युतीकरण योजना अंतर्गत ग्राम गोलापल्ली के साथ-साथ ग्राम रायगुड़ा एवं तरलागुडुन का दिनांक 01 मई 2020 को परंपरागत स्त्रोत से ऊर्जीकृत किया गया है।***

सुकमा जिले के ग्राम गोला पल्ली, रायगुड़ा एवं तरलागुडन ब्लॉक मुख्यालय कोंटा से लगभग 120 किलोमीटर दूरी में घने जंगलों के बीच स्थित है। गांव नक्सल प्रभावित होने के कारण आज तक परंपरागत बिजली की सुविधा से वंचित रहे हैं।

इन ग्रामों में सुकुमा जिले के रास्ते से पहुंच पाना कठिन है। इसलिए यह कार्य नार्थ पॉवर डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी ऑफ तेलंगाना से छ.रा.वि.वि. कंपनी द्वारा विधिवत अनुमति लेकर पूर्व में घोर नक्सल प्रभावित ग्राम किष्टाराम एवं पालोरी का वर्ष 2018-19 में विद्युतीकरण का कार्य किया गया है। जिसकी बिजली आपूर्ति तेलंगाना राज्य के ग्राम पर्णशाला में विद्यमान 33/11 केव्ही केंद्र से नानापल्ली फीडर से की जा रही है।

यह सब ग्राम घोर नक्सल प्रभावित एवं पहुंच विहीन होने के कारण इन ग्रामों में बिजली पहुंचाना कठिन कार्य है। लेकिन प्रशासन के सहयोग से जैसे-जैसे सुरक्षा एवं पहुंच की सुविधाएं प्राप्त होने लगी सुकमा जिले के अंदरूनी ग्रामों में विद्युतीकरण का कार्य किया जा रहा है। बावजूद इसके हमारे विद्युत कर्मी एवं ठेकेदार के कर्मचारियों को जोखिम रहता है एवं कभी भी अप्रत्याशित घटना का सामना भी करना पड़ता है। इन सब खतरों के बावजूद भी शासन प्रशासन के मंशा अनुरूप छरावि कंपनी के अधिकारी एवं कर्मचारियों एवं ठेकेदारों के कर्मियों द्वारा इन क्षेत्रों में लगतार विद्युतीकरण का कार्य किया जा रहा है।

इस दिशा में आगे बढ़ते हुए पूर्व में स्थापित नेशनल पॉवर डिस्टीब्यूशन तेलंगाना के 11 केव्ही फीडर नानापल्ली से सीमावर्ती ग्राम फायदागुड़ा से जोड़कर 11 केव्ही लाइन का विस्तार कार्य पूर्ण कर ग्राम रायगुड़ा तरलागुड़म एवं गोलापल्ली को ऊर्जीकृत किया गया है। जिससे कुल 184 घर लाभान्वित हो रहे हैं। इन ग्रामों को विद्युंतीकरण करने के लिए कुल 11 केव्ही लाईन 21.7 किलोमीटर एवं एलटी लाइन 17.3 किलोमीटर विस्तार कार्य

एवं कुल 09 नग 25 केव्हीए ट्रांसफार्मर स्थापित किया गया है। जिसकी लागत राशि लगभग रुपए 1.50 करोड़ है।

इस कार्य को पूर्ण करने में वितरण केन्द्र कोंटा में पदस्थ श्री मोहम्मद जुबेर लाइन परिचारक श्रेणी-एक, विनोद काका, लाईन परिचारक (संविदा) का विशेष योगदान रहा। उन्होंने विपरीत परिस्थितियों में भी ठेकेदार के कर्मचारियों के साथ मिलकर विद्युतीकरण कार्य कराया गया है। विपरीत परिस्थितियों में भी दुर्गम क्षेत्रों को रोशनी पहुंचाना विद्युत विभाग की सराहनीय उपलब्धि है।

# पॉवर कम्पनीज के अधिकारियों/कर्मचारियों हेतु सामूहिक व्यक्तिगत दुर्घटना बीमा योजना

छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर कम्पनीज में कार्यरत अधिकारियों/कर्मचारियों हेतु सामूहिक व्यक्तिगत दुर्घटना बीमा योजना कराया गया है। इस योजना के अन्तर्गत अधिकारियों/कर्मचारियों का नियोजन के दौरान कार्य अवधि में दुर्घटनावश मृत्यु होने पर आठ लाख रुपए एवं नियोजन के दौरान अन्य अवधि में दुर्घटनावश मृत्यु होने पर जोखिम राशि रुपए 5 लाख प्रति व्यक्ति देय होंगे। इस हेतु मेसर्स दी न्यू इंडिया इंश्योरेंस कम्पनी लिमिटेड, मण्डल कार्यालय क्रं.III (460700) द्वितीय तल, आरडीए बिल्डिंग, बजरंग मार्केट, जीई रोड रायपुर से सामूहिक/व्यक्तिगत दुर्घटना बीमा के लिये एक वर्ष की अवधि दिनांक 11 अप्रेल 2020 से प्रारंभ होकर 10 अप्रेल 2021 तक के लिये कराया गया है। यह योजना छत्तीसगढ़ राज्य विद्युत मण्डल की उत्तरवर्ती पांचों पॉवर कम्पनियों के समस्त अधिकारी/कर्मचारी का नियोजन के दौरान, दुर्घटना के कारण, मृत्यु हो जाने पर भले ही अधिकारी/कर्मचारी कार्य पर उपस्थित हों अथवा नहीं (कर्तव्य स्थल से दूर रहने पर भी) प्रभावशील होगी। यह योजना कार्यरत नियमित अधिकारियों/कर्मचारियों के साथ ही पॉवर कम्पनीज के अध्यक्ष, सभी प्रबन्ध संचालकों/निदेशकों के साथ समस्त कार्यभारित/संविदा/दैनिक वेतनभोगी (ठेकेदारों द्वारा नियोजित ठेका श्रमिकों को छोड़कर) अधिकारियों एवं कर्मचारियों पर भी लागू होगी। बीमा कम्पनी ने सहमति व्यक्त की है कि पूर्ण दावा पत्रक प्राप्त होने की तिथि से 30 दिनों के मध्य अनिवार्य रूप से जोखिम राशि का भुगतान छत्तीसगढ़ स्टेट होल्डिंग कंपनी को करेगी।

# श्री राजेश वर्मा बने छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर ट्रेडिंग कंपनी के प्रबंध निदेशक

छत्तीसगढ़ राज्य शासन के ऊर्जा विभाग द्वारा 27 अप्रेल 2020 को जारी आदेशानुसार श्री राजेश वर्मा पूर्व प्रबंध संचालक छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर जनरेशन कंपनी को आगामी आदेश तक छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर ट्रेडिंग कंपनी लिमिटेड के संचालक एवं प्रबंध निदेशक के पद पर पदस्थ किया गया है। तदानुसार उन्होंने अपना पदभार 30 अप्रेल 2020 को ग्रहण किया।

## जीवन परिचय

छत्तीसगढ़ जनरेशन कंपनी के नवपदस्थ एमडी श्री राजेश वर्मा का जन्म 21 जून 1957 को रायपुर में हुआ। वर्ष 1979 में बिलासपुर इंजीनियरिंग कालेज से आपने बी.ई. की उपाधि प्राप्त करने के पश्चात अपनी सेवायात्रा का आरंभ वर्ष 1981 से सहायक अभियंता के पद से मध्यप्रदेश विद्युत मण्डल से किया। सौंपे गये दायित्व का कुशलता से निष्पादन और तकनीकी दक्षता को प्रदर्शित करते हुए सेवायात्रा में यथासमय पदोन्नति प्राप्त करते हुये मुख्य अभियंता के शीर्ष पद पर सेवारत रहे। विद्युत संयंत्र के टरबाईन में आई खराबी में त्वरित सुधार हेतु आपको पुरस्कृत होने का गौरव प्राप्त है। आपके नेतृत्व में जनरेशन कंपनी के विद्युत गृहों ने उत्कृष्ट कार्यनिष्पत्ति को प्रदर्शित किया। तकनीकी ज्ञान के अलावा आपने एल.एल.बी. एवं डिप्लोमा इन बिजनेस मैनेजमेंट की शिक्षा भी प्राप्त की है।

**हार्दिक बधाई**

## श्रीमती उज्ज्वला बघेल पॉवर कम्पनीज की महिला डायरेक्टर नामित

छत्तीसगढ़ राज्य शासन के ऊर्जा विभाग द्वारा 27 अप्रेल 2020 को जारी आदेशानुसार श्रीमती उज्ज्वला बघेल अतिरिक्त मुख्य अभियंता (सिविल प्रोजेक्ट)-1 छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर जनरेशन कंपनी लिमिटेड को आगामी आदेश तक अस्थाई रूप से छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर होल्डिंग, जनरेशन, डिस्ट्रीब्यूशन एवं ट्रांसमिशन कम्पनीज की महिला डायरेक्टर नामित किया गया है।

## वरिष्ठ सुरक्षा अधिकारी श्री रविकांत साहू का पद अंलकरण

छत्तीसगढ़ राज्य पॉवर कंपनी के सतर्कता एवं सुरक्षा विभाग में सुरक्षा अधिकारी के पद पर कार्यरत श्री रविकांत साहू की पदोन्नति वरिष्ठ सुरक्षा अधिकारी के पद पर हुई है। पॉवर कम्पनी मुख्यालय विद्युत सेवाभवन में श्री साहू के पीपिंग आउट (पदालंकरण अनावरण) के अवसर पर कार्यपालक निदेशक (मानव संसाधन) श्री एच.के. पाण्डेय, मुख्य सुरक्षा अधिकारी कर्नल प्रदीप सिंह भदुरिया, सुरक्षा निरीक्षक श्री प्रभुशरण सिंह सहित अन्य अधिकारियों/कर्मचारियों ने उन्हें बधाई दी।

## ऑनलाइन बिल भुगतान का ट्रांजेक्शन चार्ज - जीएसटी का वहन करती है पावर कंपनी

कोविड-19 (कोरोना) के कारण निर्मित लॉकडाउन की स्थिति में ऑनलाइन बिजली बिल जमा करने वालों की संख्या में वृद्धि हुई है। ऐसे समय में उपभोक्ताओं द्वारा ऑनलाइन भुगतान के विभिन्न माध्यम जैसे कि मोर बिजली एप, क्रेडिट कार्ड, डेबिट कार्ड, इंटरनेट बैंकिंग, पेटीएम इत्यादि के द्वारा बिल भुगतान करने पर विशेष रुचि ली जा रही है। केवल पेटीएम वॉलेट के द्वारा किए गए भुगतान को छोड़कर उक्त माध्यमों से भुगतान किए जाने पर उपभोक्ताओं से बिजली बिल के अलावा किसी भी प्रकार का अन्य शुल्क नहीं लिया जाता है। उपभोक्ताओं द्वारा किए गए ऑनलाइन भुगतानों का ट्रांजैक्शन चार्ज एवं जीएसटी का वहन छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी द्वारा ही किया जाता है।

कम्पनी प्रबधन के समक्ष यह बात आई है कि कतिपय प्रचार माध्यमों से उपभोक्ताओं को भ्रमित किया गया है कि ऑनलाइन बिजली बिल भुगतान करने पर ट्रांजेक्शन चार्ज उपभोक्ताओं से लिया जाता है। इसका खण्डन करते हुए कम्पनी द्वारा उपभोक्ताओं के भ्रम को दूर करने इस बात को स्पष्ट किया गया है कि केवल पेटीएम वॉलेट के द्वारा किए गए भुगतानों को छोड़कर अन्य माध्यम से भुगतान किए जाने पर उपभोक्ताओं से ट्रांजेक्शन चार्ज नहीं लिया जाता।

# ईडी बजरंगी मिश्रा की सेवानिवृत्त पर भावभीनी विदाई

पावर डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी से सेवानिवृत्त हुए कार्यपालक निदेशक (संचालन एवं संधारण) श्री बजरंगी मिश्रा को सेवानिवृत्ति उपरांत 31 मार्च 2020 को भावभीनी विदाई दी गई। पावर कंपनी मुख्यालय विद्युत सेवा भवन में आयोजित विदाई कार्यक्रम में डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी के प्रबंध निदेशक श्री मोहम्मद कैसर अब्दुल हक ने उन्हें प्रमाण पत्र प्रदान किया। सेवानिवृत्त हुए ईडी श्री मिश्रा के सपरिवार सुखमय जीवन की कामना उच्चाधिकारियों ने की। इस अवसर पर कार्यक्रम के संयोजक पावर होल्डिंग एवं डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी के कार्यपालक निदेशक श्री एचके पांडेय, श्री वीके साय ने भी मंगल कामनाओं की अभिव्यक्ति दी। कार्यक्रम में पावर कंपनी के अतिरिक्त महाप्रबंधक (जनसंपर्क) श्री विजय मिश्रा ने कहा कोरोना वायरस से बचाओ को देखते हुए सेवानिवृत्त कार्यपालक निदेशक की विदाई अत्यंत संक्षेप में सादगी पूर्वक किया गया।

# कोरोना संक्रमण रोकने पॉवर कंपनी में आगन्तुकों के प्रवेश पर पाबंदी

कोरोना वाइरस के बढ़ते प्रकोप से निपटने के लिये छत्तीसगढ़ राज्य शासन के दिशा निर्देशानुसार सभी शासकीय, निजी संस्थानों में एहतियाति उपाय के साथ ही जागरुकता अपनाने जोर दिये गये हैं। महामारी का रूप ले रहे कोरोना वाइरस के संक्रमण से बचने हेतु विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्लू.एच.ओ.) द्वारा दिशा निर्देश देते हुये देश-विदेश की यात्रा सहित अनावश्यक आवागमन को नियंत्रित करने की सलाह दी गई है। इसका अनुपालन करते हुये छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर कंपनी मुख्यालय में आगन्तुकों के प्रवेश पर पाबंदी लगाने संबंधी आदेश जारी किये

गये हैं। तदानुसार मुख्य सुरक्षा अधिकारी कर्नल प्रदीप सिंह भदुरिया की देखरेख में आगन्तुकों सहित अधिकारियों/कर्मचारियों की थर्मल इन्फ्रारेड थर्मामीटर से जांच की जा रही है तथा हाथों में सेनेटाइजर डालकर प्रवेश दिया जा रहा है।

कोरोना वाइरस के संक्रमण को रोकने के लिये पॉवर होल्डिंग कंपनी के कार्यपालक निदेशक (मानव संसाधन) श्री एच.के पाण्डेय की ओर से जारी आदेश में कंपनी के मुख्य सुरक्षा अधिकारी एवं मुख्य चिकित्सा अधिकारी को विशेष सजगता बरतने जोर दिया गया है। पॉवर कंपनी मुख्यालय के मुख्य प्रवेश द्वार पर तैनात सुरक्षा कर्मियों को हिदायत दी गई है कि आगामी आदेश तक आगन्तुकों के प्रवेश को नियंत्रित किया जाये।

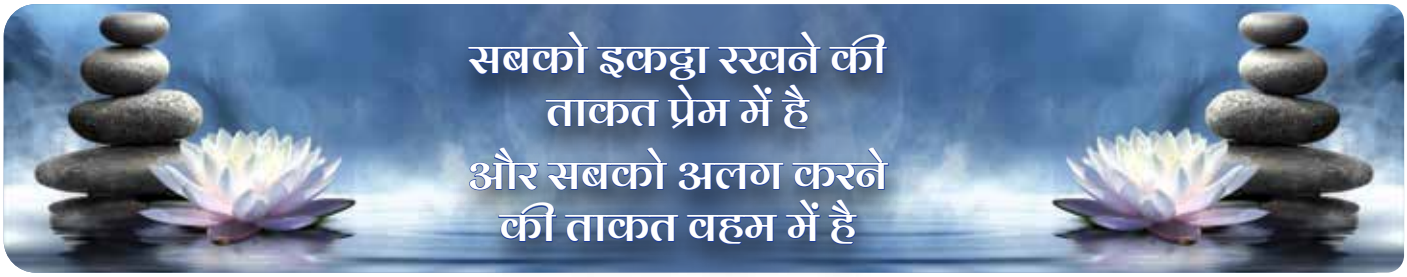

# देश के स्टेट पॉवर सेक्टर में छत्तीसगढ़ पावर कंपनी तृतीय सर्वश्रेष्ठ

***भारत सरकार के ऊर्जा मंत्रालय अधीन कार्यरत केन्द्रीय विद्युत प्राधिकरण के अनुसार छत्तीसगढ़ स्टेट पावर कंपनी के ताप विद्युत गृहों को देशभर के स्टेट सेक्टर में तीसरे स्थान पर सर्वश्रेष्ठ होने का गौरव प्राप्त हुआ है। साथ ही जनरेशन कंपनी के डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी ताप विद्युत गृह को देश भर में आठवां सर्वश्रेष्ठ पावर प्लांट का दर्जा मिला।***

इस ऐतिहासिक उपलब्धि का श्रेय मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल के मार्ग दर्शन सहित चेयरमैन श्री सुब्रत साहू के कुशल नेतृत्व एवं जनरेशन कंपनी के एमडी श्री एन.के. बिजौरा सहित जनरेशन से जुड़े अधिकारियों/कर्मचारियों की टीम को जाता है।

पावर कंपनी के चेयरमेन श्री सुब्रत साहू ने उक्त दोहरी मिसाल को प्रदेश के लिए गर्व का विषय बताया तथा उत्कृष्ट कार्यशैली को बनाए हुए भविष्य में भी बिजली के मामले में छत्तीसगढ़ को अग्रणी बनाए रखने का आह्वान किया। इस उपलब्धि के संबंध में एमडी श्री बिजौरा ने बताया कि देशभर में कुल 34 स्टेट सेक्टर के अधीन बड़ी संख्या में विद्युत गृहों का संचालन किया जाता है। इनके बीच छत्तीसगढ़ के अनेक पुराने हो चले विद्युत गृहों ने अधिकतम उत्पादन के साथ उच्च प्लांट लोड फैक्टर 67.32 प्रतिशत दर्ज किया है।

केन्द्रीय विद्युत प्राधिकरण ने इसका आंकलन करते हुए देश के सर्वश्रेष्ठ तीन पावर कंपनीज में छत्तीसगढ़ को शामिल किया। इसी तरह सेंट्रल, स्टेट एवं प्रायवेट पावर सेक्टर में शामिल सभी पावर प्लांट्स के बीच छत्तीसगढ़ पावर जनरेशन कंपनी के कोरबा स्थित डीएसपीएम विद्युत गृह को प्रथम दस सर्वश्रेष्ठ विद्युत गृहों की श्रेणी में होने का गौरव प्राप्त हुआ है। इस संयंत्र में 250-250 मेगावाट की दो इकाईयां क्रियाशील है। कुल 500 मेगावाट क्षमता के इस विद्युत गृह ने उत्कृष्ट कार्यनिष्पत्ति का प्रदर्शन करते हुए 87.61 प्रतिशत पीएलएफ दर्ज किया। विदित हो कि देश के सरकारी बिजली कम्पनियों में पहले नम्बर पर सिंगरैनी कॉलियरीस तथा दूसरे नम्बर पर तेलंगाना पावर जनरेशन कंपनी रही।

# बेमेतरा जिले में 33 के.व्ही.लाईन का विस्तार-60 से अधिक गांव के उपभोक्ता हुए लाभान्वित

***दुर्ग क्षेत्र के अधीन ग्रामीण अंचलों में गुणवत्तापूर्ण विद्युत प्रदान करने के लिए विगत तीन माह के अंदर दीनदयाल उपाध्याय ग्राम ज्योति योजना(डीडीयूजीजेवाय) एवं एसटीएन योजना के तहत बेमेतरा जिले में विभिन्न 33/11 के.व्ही. उपकेंद्रों में डबल सप्लाई हेतु 33 के.व्ही. नई लाइनों का विस्तार-ऊर्जीकरण किया गया।***

इस संबंध में दुर्ग क्षेत्र के कार्यपालक निदेशक श्री संजय पटेल ने बताया कि लगभग 02 करोड़ 90 लाख 94 हजार की लागत से पूर्ण हुए। उक्त लाइनों के निर्माण से जिले के 60 से अधिक ग्रामों को लो-वोल्टेज की समस्या से निजात मिलेगी एवं फीडर ब्रेकडाउन की स्थिति में भी अतिरिक्त सप्लाई से निर्बाध विद्युत आपूर्ति की सुविधा रहेगी। इन कार्यों को पूरा करने में जुटे कार्यपालन अभियंता (प्रोजेक्ट) श्री हेमंत ठाकुर एवं उनकी पूरी टीम की प्रशंसा करते हुए उन्होंने बधाई दी।

बेमेतरा जिला के विद्युत विकास की दिशा में आगे बढ़ते हुए पूर्ण किये गये उक्त कार्यों में डीडीयूजीजेवाय योजना के अंतर्गत 132/33 के.व्ही. उपकेन्द्र-नवागढ़ से 33/11 के. व्ही. उपकेन्द्र-हेमाबंध तक 10 किलोमीटर नवीन 33 के.व्ही. लाईन, 33/11 के.व्ही. उपकेन्द्र-डुण्डा से 33/11 के. व्ही. उपकेन्द्र-हथमुड़ी तक 11 किलोमीटर, 132/33 के.व्ही. उपकेन्द्र-गुनरबोड़ से 33/11 के. व्ही. उपकेन्द्र-मोहतरा तक 6.5 किलोमीटर, 33/11 के.व्ही. उपकेन्द्र-हथमुड़ी से 33/11 के. व्ही. उपकेन्द्र-खैरझीटीकला तक 05 किलोमीटर, नये लाईन का निर्माण किया गया।

इसके अलावा एसटीएन योजना के अंतर्गत 33/11 के.व्ही. उपकेन्द्र-हटरॉका से 33/11 के. व्ही. उपकेन्द्र-खैरझीटीकला तक 04 किलोमीटर, 33/11 के.व्ही. उपकेन्द्र-परपोड़ी से 33/11 के. व्ही. उपकेन्द्र-बोरतरा तक 12.5 किलोमीटर नवीन 33 के.व्ही. लाईन का निर्माण किया गया।

# लॉकडाउन में "मोर बिजली ऐप" बना उपभोक्ता मित्र

***छत्तीसगढ़ स्टेट पावर डिस्ट्रिब्यूशन कंपनी द्वारा बिजली उपभोक्ताओं की सुविधा हेतु बनाया गया "मोर बिजली ऐप" लॉकडाउन अवधि में बहुत अधिक उपयोगी साबित हुआ है। विभिन्न श्रेणी के उपभोक्ताओं ने लॉकडाउन की अवधि में 50 हजार से भी अधिक इस ऐप को डाउनलोड कर रिकार्ड बनाया है।***

उपभोक्ताओं के लिए बिजली मित्र बना यह ऐप लॉकडाउन की अवधि में "अलादीन का चिराग" की भांति कारगर सिद्ध हुआ है। इसके माध्यम से घर बैठे बिजली संबंधी 13 किस्म के कार्यों का निपटारा सहजता से किया जा रहा है। मोर बिजली ऐप की बढ़ती उपयोगिता को देखते हुए कंपनी के इनर्जी एन्फोटेक सेंटर द्वारा इस ऐप में एक नयी सुविधा "उपभोक्ता शेयर मोर बिजली एप बटन" प्रारंभ की गई है, जिससे इस ऐप को अपने प्रियजनों-रिश्तेदारों तक आसानी से भेजा जा सकता है।

प्रदेश में जारी लॉकडाउन के समय "स्टे एट होम" का पालन करते हुये बिजली एप के माध्यम से 24 हजार से भी अधिक लोगों ने बिजली बिल का भुगतान, 6291 से भी अधिक उपभोक्ताओं ने बिजली सप्लाई संबंधित शिकायत दर्ज कराने, 4313 से भी अधिक उपभोक्ताओं ने मीटर रीडिंग भेजने का कार्य किया है। प्रदेश में कोरोना वाइरस कोविड-19 के संक्रमण को रोकने की दिशा में भी यह ऐप अत्यन्त सहायक सिद्ध हो रहा है।

# मड़वा संयंत्र हेतु गारे-पेल्मा खदान से आपूर्ति आरंभ

छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर जनरेशन कंपनी के नैला चांपा में स्थित अटल बिहारी बाजपेयी ताप विद्युत गृह मड़वा में विद्युत उत्पादन हेतु जनरेशन कंपनी को आबंटित गारे पेल्मा-3 कोल माइन्स से कोयला परिवहन की शुरुआत करने में एक बड़ी सफलता मिली। 24 मार्च 2020 को संयंत्र स्थल पर प्रथम कोल रेक पहुंचा। इस ऐतिहासिक अवसर पर जनरेशन कंपनी के प्रबंध निदेशक श्री एनके बिजौरा सहित संयंत्र के उच्चाधिकारीगण मुख्य अभियंता श्री राजेश श्रीवास, अतिरिक्त मुख्य अभियंता (संचारण-संधारण) श्री अरूण वर्मा, श्री एसके दुबे, अतिरिक्त मुख्य अभियंता (फ्यूल मैनेजमेंट) श्री टीएल देवांगन, अधीक्षण अभियंता श्री सिन्हा उपस्थित थे।

# चिकित्सा सेवा में जुटे हैं पावर कंपनी के डॉक्टर

छत्तीसगढ़ स्टेट पावर कंपनीज के करीब 17000 अधिकारियों कर्मचारियों और सेवानिवृत्त कर्मियों के साथ ही सभी विद्युत कर्मियों के परिवारजनों को कोविड-19 से बचाने के लिए पावर कंपनी के डॉक्टरों ने अपने कार्यदक्षता में पावर का बेहतर प्रदर्शन किया।

प्रदेशभर के डॉक्टर्स और पैरामेडिकल स्टाफ निडर निस्वार्थ जन मन की सेवा में जुटा है। पावर कंपनी के डगनिया, गुढ़ियारी रायपुर, बिलासपुर, भिलाई-3, कोरबा पूर्व, कोरबा पश्चिम, मड़वा एवं जगदलपुर में संचालित पावर कंपनी के चिकित्सालयों एवं औषधालयों में मरीजों हेतु बाह्य रोगी सेवाएं (ओपीडी) को प्रातः 9.00 से दोपहर 1.00 बजे तक संचालित किए जा रहे हैं। चिकित्सालयों में भीड़ कम करने के लिए चिकित्सकों ने सलाह दी है कि आवश्यकता अनुसार टेलीफोन पर भी विद्युत कर्मी चिकित्सा परामर्श ले सकते हैं। 65 वर्ष से अधिक आयु अथवा लंबी बीमारियों से ग्रसित जनों के लिए विशेष सुविधा दी गई है कि, वे अपने परिवारजनों को भेजकर रूटीन की दाएं मेडिकल किताब में दर्ज अनुसार ले सकते हैं। आपातकालीन स्थिति में बिना रिफरल के भी पावर कंपनी द्वारा अधिकृत निजी अस्पतालों से ओपीडी की दवाई ली जा सकती हैं। साथ ही आवश्यकता होने पर अपना परिचय पत्र दिखाकर बीमार बिजली कर्मी वहां भर्ती भी हो सकते हैं।

संक्रमण की रोकथाम हेतु 15 डॉक्टरों की टीम - मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. एचएल पंचारी के साथ ही डॉ. श्रीमती उषा पिल्लई, डॉ. केएस छाबड़ा, डॉ. विवेक गोले, डॉ. अलका गोले, डॉ. नीलेश सिंह, डॉ. अजीत सिंह, डॉ. एसएल कोरेटिया, डॉ. केबी बंसोड़े, डॉ. रमेश श्रवण, डॉ. एके बाजपेई, डॉ. सतीश खरे, डॉ. वी थॉमस के, डॉ. एमआर स्नेही आदि हैं।

# विद्युत उपभोक्ताओं के हित में राज्य सरकार के कई बड़े फैसले

***छत्तीसगढ़ सरकार द्वारा प्रदेश के निम्नदाब, गैर घरेलू (व्यवसायिक), कृषि आधारित उद्योग समेत अन्य औद्योगिक उपभोक्ताओं के हित में कई बड़े फैसले लिए गए। कोरोना वायरस कोविड-19 के संक्रमण की रोकथाम हेतु भारत सरकार द्वारा लागू लॉकडाउन अवधि में विभिन्न औद्योगिक संगठनों एवं संस्थानों सहित गैर घरेलू उपभोक्ताओं द्वारा सरकार से रियायत दिए जाने की मांग लगातार की जा रही थी। जिस पर विचारोपरांत 06 मई 2020 को माननीय मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल जी द्वारा अनेक निर्णय लिए गए।***

उपभोक्ताओं के हित में लिए गए निर्णय के अनुसार प्रदेश के गैर घरेलू (व्यवसायिक), कृषि आधारित उद्योग समेत अन्य औद्योगिक विद्युत कनेक्शन के अप्रैल, मई एवं जून 2020 के बिलों पर डिमांड चार्जेज भुगतान को जून 2020 तक स्थगित करने का निर्णय लिया गया है। स्थगन अवधि (मॉरिटोरियम पीरियड) के पश्चात उक्त प्रभार की राशि को समान मासिक किश्तों में आगामी छह माह के विद्युत देयकों के साथ ली जाएगी। उक्त अवधि अर्थात अप्रेल, मई एवं जून 2020 के बिलों पर "डिलेड पेमेंट सरचार्ज" 1.5 प्रतिशत के बजाए एक प्रतिशत ही लिया जाएगा।

कोरोना वायरस कोविड-19 के संक्रमण की रोकथाम हेतु प्रदेश भर के सभी नगद बिल संग्रहण केंद्रों को अस्थाई रूप से बंद किया गया था। इसे दृष्टिगत रखते हुए लिए गए निर्णय के मुताबिक ऐसे सभी निम्नदाब विद्युत उपभोक्ता जिन्हें 23 मार्च से 3 मई 20 की अवधि में विद्युत देयक का भुगतान करना था उन्हें अब 31 मई 2020 तक बिना अधिभार के विद्युत देयक भुगतान करने की सुविधा दी जाएगी। छत्तीसगढ़ राज्य विद्युत नियामक आयोग भी इस पर सहमत है।

छत्तीसगढ़ विद्युत वितरण कंपनी द्वारा 23 मार्च से 30 जून 2020 के बीच प्रदेश में क्रय की जाने वाली विद्युत एवं पारेषण हेतु देयकों के विलंब से भुगतान पर वर्तमान में लागू "डिलेड पेमेंट सरचार्ज" की दर में पचास प्रतिशत की कमी की गई है। छत्तीसगढ़ राज्य विद्युत नियामक आयोग भी इस पर सहमत है। कोरोना वायरस कोविड-19 के कारण विविध संकट से जूझ रहे प्रदेश के उद्योग एवं वाणिज्य जगत को सरकार के इन निर्णयों से बड़ी राहत मिल सकेगी।

# सीपीआरआई के सेमीनार में स्काडा प्रभारी श्री बिम्बीसार की प्रस्तुति

केन्द्रीय विद्युत अनुसंधान संस्थान द्वारा एचटी. एलटी. स्वीच गेयर एवं कंट्रोल गेयर स्मार्ट तकनीकी विषय पर आयोजित राष्ट्रीय सम्मेलन में छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी के स्काडा प्रभारी श्री एन.बिम्बीसार ने तकनीकी पत्र प्रस्तुत किया। उन्होंने अपना तकनीकी पत्र- "एनेबलर्स फॉर द ऑटोमेशन ऑफ पॉवर डिस्ट्रीब्यूशन सिस्टम" विषय पर प्रस्तुत किया। जिसमें एनेबलर्स के माध्यम से विद्युत वितरण प्रणाली के ऑटोमेशन, वितरण क्षेत्र में E- Enviroment study, NA- Network Analysis, BL- Base Line Data, E- Engineer & Estimation, R- Remote Operation, S- Solution इस प्रकार से विभिन्न चरणबद्ध तकनीक को एक शब्द में पिरोया गया एवं इसके द्वारा विस्तरित व्याख्या वितरण प्रणाली के ऑटोमेशन की की गई।

भोपाल में आयोजित उक्त सम्मेलन में देश के केन्द्रीय एवं विभिन्न राज्यों के पॉवर सेक्टर डिस्कॉम, ट्रांसमिशन एवं एचटी. एलटी. स्वीच गेयर, कंट्रोल गेयर स्मार्ट तकनीकी के निर्माता मुख्य रूप से उपस्थित थे। जिन्होंने श्री बिम्बीसार के तकनीकी पत्र की सराहना की। सम्मेलन में उन्होंने छत्तीसगढ़ राज्य में स्थापित स्काडा सिस्टम के सफल संचालन की जानकारी भी दी।

# "कोरोना वारियर्स" बिजली कर्मियों का जगह-जगह सम्मान

***लॉकडाउन की अवधि में दैनिक दिनचर्या सहित सुरक्षा एवं चिकित्सा विषयक कार्यों के लिए बिजली की सतत् उपलब्धता पहली आवश्यकता है। इसे ध्यान में रखते हुए छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर कंपनी के उच्चाधिकारियों से लेकर लाइनमेन तक 24 घंटे सेवा देते हुए "कोरोना वारियर्स" बने हैं।***

रायपुर शहर के "लाइट मैनेजमेंट" को लॉकडाउन के दौरान भी सुदृढ़ बनाये रखने में 431 लाइनमेन की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण हो चली है। सामान्य दिनों की अपेक्षा कोविड-19 के संक्रमण काल में उपभोक्ताओं तक सतत बिजली आपूर्ति कर एक बड़े चुनौती भरे कार्य को विद्युत कर्मी पूरा कर रहे हैं।

रायपुर शहर के अधीन करीब साढ़े तीन लाख से अधिक उपभोक्ताओं की विद्युत व्यवस्था को सुचारू बनाये रखने हेतु रायपुर सिटी सर्किल-एक में 299 लाइनमेन तथा सिटी सर्किल-दो में 132 लाइनमेन कार्यरत है। जिन्होंने कोविड-19, आंधी, तूफान, जैसी प्रतिकूल परिस्थितियों से जूझते हुए बीते एक माह के दौरान लॉकडाउन में लगभग 11 हजार 668 बिजली शिकायतों का निदान कर अपनी सूझबूझ और साहस का परिचय दिया। ऐसे "कोरोना वारियर्स" बिजली कर्मियों का स्वागत आम जनता, पुलिस कर्मियों तथा जनप्रतिनिधियों ने करने की सराहनीय पहल की है। रायगढ़ के अति. पुलिस अधीक्षक श्री राजकुमार मिंज द्वारा (ऊपर चित्र में) सहायक लाइन मेन श्री प्रकाश गुप्ता का सम्मान किया गया।

रायपुर शहर के मुख्य अभियंता श्री आर.के. पाठक के नेतृत्व में कुल 74 एक्सपर्ट इंजीनियर अपनी कार्यदक्षता को प्रदर्शित करते हुए शहर में विद्युत वितरण कार्य हेतु 33/11 केव्ही क्षमता के कुल 87 उपकेन्द्र स्थापित हैं जिनसे सम्बद्ध 9555 वितरण ट्रांसफार्मर की सहायता से एक्सपर्ट इंजीनियर की टीम द्वारा उपभोक्ताओं तक चौबीस घण्टे निर्बाध रूप से बिजली आपूर्ति की जा रही है। टीम के कर्मी सेनेटाइजर, मास्क, ग्लब्स का उपयोग के साथ ही विभिन्न श्रेणी के उपभोक्ताओं से फिजिकल डिस्टेंस बनाये हुए कार्यों का निपटारा कर रहे हैं।

# कवर्धा संभाग में विद्युत विकास कार्यों की समीक्षा

कवर्धा संभाग में विद्युत विकास एवं विभागीय कार्यों की प्रगति पर केन्द्रित कार्यपालन अभियंताओं की बैठक में राजनांदगांव क्षेत्र के मुख्य अभियंता श्री टी.के. मेश्राम ने विस्तृत जानकारी ली। उन्होने बकाया राजस्व वसुली, स्पॉट बिलिंग, पीडी एरियर्स, स्टॉप डिफेक्टिव मीटर रिप्लेसमेंट, एसेसमेन्ट केस, निगेटिव बिलिंग, उपसंभाग की कार्यप्रणाली, बकाया राशि वाले उपभोक्ताओं के कनेक्शन व लाइन विच्छेदन संबंधी कार्यों की समीक्षा कर लक्ष्यों के अनुरूप कार्य में प्रगति लाने के निर्देश दिये।

उपभोक्ताओ की विद्युत संबंधी समस्याओं के त्वरित निदान, विद्युत लाईनों का व्यवधान कम करने सतत् निगरानी, विद्युत प्रणालियों के संचारण-संधारण करते रहने जोर दिया। श्री मेश्राम ने कहा कि बकायादारों के कनेक्शन विच्छेदन के साथ अवैध कनेक्शनधारियों के खिलाफ कड़ी कार्यवाही की जाये। बैठक में अधीक्षण अभियंता श्री एसके दुबे, कार्यपालन अभियंता श्री एके शर्मा, श्री केएल उइके, श्री एचके सूर्यवंशी, श्री आरके गोस्वामी सहित अन्य उपस्थित हुए।

# दुर्ग क्षेत्र की बिजली गड़बड़ी दूर करने में कारगर हुआ रुआबांधा स्काडा सेंटर

***छत्तीसगढ़ स्टेट पावर कंपनी द्वारा "क्वालिटी पॉवर फॉर कंज्यूमर्स" को लक्ष्य बनाते हुये उपभोक्ता हित में कार्य किया जा रहा है। यही वजह है कि दुर्ग-भिलाई-चरोदा शहर में कहीं भी कोई भी बड़ा व्यवधान लॉकडाउन के दौरान नहीं आया। ऐसे दौर में पॉवर कंपनी के रुआबांधा में स्थित स्काडा सेंटर आकस्मिक आई बिजली गड़बड़ी को जल्द दूर करने में कारगर सिद्ध हो रहा है।***

दुर्ग क्षेत्र के कार्यपालक निदेशक श्री संजय पटेल ने बताया कि दुर्ग-भिलाई-चरोदा शहर के 33/11 केव्ही के 32 उपकेन्द्रों से निकलने वाले 11 केव्ही के लगभग 150 फीडर्स पर स्काडा सेंटर से "स्क्रीन" पर 24 घंटे नजर रखी जाती है जिससे इनके किसी भी फीडर में फॉल्ट आने की स्थिति में तत्काल स्काडा सेंटर को सूचना मिल जाती है। जिससे बिजली व्यवधान वाले क्षेत्रों में निकट स्थित अन्य फीडर्स के द्वारा उस क्षेत्र में बिजली आपूर्ति की जा सकती है।

रुआबांधा स्काडा सेंटर के इंचार्ज कार्यपालन अभियंता श्री अनिल कुमार चेल्ला ने बताया कि दुर्ग-भिलाई-चरोदा शहर के विभिन्न क्षेत्रों में स्थापित 33/11 केव्ही उपकेंद्रो, 11केव्ही फीडरों, वितरण ट्रांसफार्मरों को भी आपस में रिंग मेन यूनिट (आरएमयू) की सहायता से जोड़ा गया है। आवश्यकता पड़ने पर मैदानी अधिकारियों कर्मचारियों से कोऑर्डिनेशन कर आरएमयू के द्वारा विद्युत फीडरों को बंद चालू किया जा सकता है। रुआबांधा स्काडा इंजीनियर्स की टीम में कु. ज्योति येजरला, श्रीमती पूजा प्रसाद, श्रीमती प्रीति रानी गुप्ता, कु सोनम प्रजापति, श्री एल.एन.बंछोर, श्री जगतार सिंह भट्टी, श्री बी वजीत सिन्हा, श्री भास्कर आनंद, श्री विवेक पोरवाल एवं श्री अनुराग ठाकुर विभिन्न पालियों में ड्यूटी दे रहे हैं, जिससे कि आम उपभोक्ताओं को निर्बाध बिजली की आपूर्ति होती रहे और वे घर परिवार के साथ सुरक्षित जीवन जी सके।

# दुर्ग क्षेत्र के बेमेतरा, रांका एवं नवागढ़ वितरण केन्द्रों में विद्युत समस्या निवारण शिविर

दुर्ग क्षेत्र के ग्रामीण अंचलों में बेहतर विद्युत व्यवस्था, विद्युत संबधी शिकायतों के समाधान जैसे कार्यों के निवारण हेतु शिविरों का आयोजन किया जा रहा है। इस संबंध में कार्यपालक निदेशक श्री संजय पटेल ने बताया कि किसानों एवं विद्युत उपभोक्ताओं के हित को ध्यान में रखकर समस्या शिविरों का आयोजन किया जा रहा है। इसके अंतर्गत वितरण केंद्र बेमेतरा ग्रामीण, रांका एवं नवागढ़ वितरण केंद्रों में विद्युत समस्या निवारण शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में आये उपभोक्ताओं के कृषि पंप एवं अन्य प्रकार के कनेक्शन, बिजली बिल हाफ योजना, कृषक जीवन ज्योति योजना, फ्लैट रेट

योजना एवं अस्थायी कनेक्शन प्रदाय करने जैसे कामों का निपटारा किया गया। बेमेतरा संभाग के कार्यपालन अभियंता श्री मुरारी हरि ने बताया कि वितरण केंन्द्र बेमेतरा ग्रामीण में 42, रांका में 178 एवं नवागढ़ में 11 आवेदन प्राप्त हुए जिन पर त्वरित कार्यवाही की गई। इसके साथ ही शिविर में शामिल उपभोक्ताओ को घर के अन्दर स्थापित विद्युत मीटर को बाहर की ओर लगवाने, घर या प्रतिश्ठान की वायरिंग, तथा अर्थिंग को अधिकृत इलेक्ट्रीशियन से चेक कराने सहित समय-समय पर बिल में दर्ज रीडिंग और मीटर में दर्ज रीडिंग का मिलान करने की सलाह दी गई।

## मोहतरा विद्युत उपकेंद्र में 16 लाख 67 हजार रुपए की लागत से कैपेसिटर बैंक चार्ज

छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी के द्वारा दीनदयाल उपाध्याय ग्रामीण ज्योति योजना के अंतर्गत प्रदेश में गुणवत्तापूर्ण बिजली आपूर्ति के लिए विभिन्न कार्य किये जा रहे हैं। इस दिशा में आगे बढ़ते हुये वितरण केंद्र बेमेतरा ग्रामीण के 33/11 के.व्ही. उपकेंद्र मोहतरा में 16 लाख 67 हजार रुपए की लागत से 1815 के.व्ही.ए.आर. कैपेसिटर बैंक चार्ज किया गया। उपकेंद्र में कैपेसिटर बैंक चार्ज होने से 20 गांवों के उपभोक्ता लाभान्वित होंगे। कैपेसिटर बैंक के चालू होने से वोल्टेज एवं पॉवर फैक्टर में सुधार होगा और इससे लाईन लॉस में भी कमी आएगी। दुर्ग क्षेत्र के कार्यपालक निदेशक श्री संजय पटेल ने इस कार्य में लगे कार्यपालन अभियंता (एसटीएम)/प्रोजेक्ट संभाग, सहायक अभियंता एसटीएम/परियोजना एवं उनकी पूरी टीम की सराहना की।

**रायपुर शहर के 300 फीडर्स पर होती है 24 घंटे निगरानी**

# लॉकडाउन में बिजली गड़बड़ी जल्द दूर करने कारगर हुआ स्काॅडा सेंटर

***छत्तीसगढ़ स्टेट पावर कंपनी द्वारा कोविड संक्रमण की रोकथाम के साथ ही "क्वालिटी पॉवर पर कंन्ज्यूमर्स" को लक्ष्य बनाये हुये उपभोक्ता हित में कार्य किया जा रहा है। यही वजह है लॉकडाउन के दौरान रायपुर शहर में कहीं भी कोई भी बड़ा व्यवधान नहीं आया है।***

ऐसे विकट दौर में पॉवर कंपनी के गुढ़ियारी स्थित मध्य भारत का सबसे बड़ा स्काडा (सुपर वाईजटी कंट्रोल एण्ड डाटा एग्जीबिशन) सेंटर आकस्मिक आई बिजली गड़बड़ी को जल्द दूर करने में कारगर सिद्ध हो रहा है। उक्त जानकारी स्काडा इंचार्ज श्री एन. बिम्बीसार ने दी। उन्होंने बताया कि रायपुर शहर के 33/11 केव्ही उपकेन्द्रों से निकले 11 केव्ही के लगभग 300 फीडर्स पर स्काडा सेंटर से "स्क्रीन" पर 24 घंटे नजर रखी जाती है। शहर के किसी भी फीडर्स में फॉल्ट आने की स्थिति में तत्काल स्काडा सेंटर को सूचना मिल जाती है। जिससे बिजली व्यवधान आये क्षेत्रों में निकट स्थित अन्य फीडर्स के द्वारा उस क्षेत्र में बिजली आपूर्ति की जा सकती है।

आगे उन्होंने बताया कोरोना वायरस कोविड-19 से बचने के लिए राज्य शासन के दिशा निर्देशानुसार स्काडा सेंटर में "वर्क फ्रॉम होम" कॉन्सेप्ट का भी डेव्लपमेंट कर लिया गया है। इसमें मेसर्स जीईटी एण्ड डी एवं एयरटेल का विशेष सहयोग रहा है। स्काडा कंट्रोल सिस्टम को कंपनी मुख्यालय डंगनिया स्थित एनर्जी इन्फोटेक सेंटर से भी जोड़ा गया है, जिससे शहर स्थित किसी भी फीडर में फाल्ट आने पर उसकी सूचना उस क्षेत्र के प्रभावी उपभोक्ताओं को आटोमेटिकली मिल सके। रायपुर के विभिन्न क्षेत्रों में स्थापित 33/11 केव्ही उपकेन्द्रों, 11 केव्ही फीडरों, वितरण ट्रांसफार्मरों को भी आपस में रिंग मेन यूनिट (आरएमयू) की सहायता से जोड़ा गया है। स्काडा सेंटर से जुड़े इंजीनियर्स जरूरत पड़ने पर मैदानी अधिकारियों/कर्मचारियों से कोऑर्डीनेशन कर "आरएमयू" के द्वारा विद्युत फीडरों को बंद चालू करने तथा फीडर में आये व्यवधान की त्वरित जानकारी संबंधित क्षेत्र के अधिकारी को सहजता से दे देते हैं। फलस्वरूप गड़बड़ी का निराकरण जल्द कर लिया जाता है।

## स्काडा इंजीनियर्स की टीम

श्रीमती सुरूचि कौशल दिवान, श्रीमती तृप्ति राणा, सुश्री प्रियंका साहू, सुश्री एलिस मैरी कैरकेटा, श्री सुधीर कुमार श्रीवास्तव, श्री आनंद कुमार वर्मा, श्री अभिषेक सिंह, श्री संजीब घोस, श्री प्रमोद कुमार विभिन्न पालियों में ड्यूटी दे रहे हैं। आम उपभोक्ताओं को निर्बाध बिजली की आपूर्ति होती रहे और वे घर परिवार के साथ सुरक्षित जीवन जी सकें यही स्काडा इंजीनियर्स का लक्ष्य है।

# एबीवीटीपीएस मे सेवानिवृत्तजनो की विदाई

अटल बिहारी वाजपेयी ताप विद्युत गृह (एबीवीटीपीएस) मड़वा से माह फरवरी में सेवानिवृत्ति हो रहे लेखाधिकारी वीवी गुप्ता एवं अनुभाग अधिकारी एनके विश्वकर्मा को पावर कंपनी परिवार की ओर से भावभीनी विदाई दी गई। कार्यक्रम के अध्यक्ष मुख्य अभियंता आरके श्रीवास, विशिष्ट अतिथि अतिरिक्त मुख्य अभियंता अरूण वर्मा, सुनील विश्वास एवं रजनीश जांगड़े द्वारा सेवानिवृत्तों को स्मृति चिह्न व प्रशस्ति प्रमाण-पत्र भेंट किया गया एवं उनके स्वस्थ्य और सुखमय जीवन की कामना की।

सभा में वीवी गुप्ता ने अपने अनुभव साझा करते हुए कहा कि किसी व्यक्ति को तभी सफलता मिलती है जब उसे परिवार के साथ सभी का सहयोग मिलता है। उन्होंने सहयोग के लिए अपने साथी कर्मचारियों-अधिकारियों एवं परिवारजनों को धन्यवाद दिया। सेवानिवृत्ति हो रहे कर्मचारियों के नियंत्रक अधिकारियों वरिष्ठ लेखाधिकारी सुमन यादव एवं अधीक्षण अभियंता केसी अग्रवाल द्वारा उनके जीवन पर प्रकाश डाला गया।

अधीक्षण अभियंता (मासवि) एसएस टेकाम द्वारा सेवानिवृत्त हो रहे कर्मचारियों को मिष्ठान एवं व्यवस्थापन भत्ता का चेक सौंपा गया। सेवानिवृत्तों के सम्मान में निज सचिव अजय साहू द्वारा कविता 'जाना है गृहग्राम को...' सुनाई गई।

कार्यक्रम का संयोजन एवं संचालन कल्याण अधिकारी (प्रशिक्षु) आरएस टेकाम द्वारा किया गया। इस अवसर पर अधीक्षण अभियंता रामजी सिंह, नीरज वैश्य, एसडी द्विवेदी, आरएल ध्रुव, सहायक प्रकाशन अधिकारी बसंत शाहजीत, सहायक विधि अधिकारी रमेश, समेत बड़ी संख्या में विभिन्न वृत्तों के अधीक्षण अभियंता, कार्यपालन अभियंता एवं अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित रहे। समारोह के आयोजन में रामनारायण राठौर और विजय मिश्रा का विशेष सहयोग रहा।

# दुर्ग क्षेत्र में सेफ्टी परेड का आयोजन

छत्तीसगढ़ स्टेट पावर डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी दुर्ग क्षेत्र के अधीन विभिन्न वितरण केन्द्रों में कार्यरत विद्युत कर्मियों हेतु "सेफ्टी परेड" का आयोजन किया गया। इसमें दुर्ग क्षेत्र के कार्यपालक निदेशक श्री संजय पटेल, एवं ठेका कर्मचारियों को सुरक्षा मानकों का पालन करते हुए कार्य करने एवं लाइन मेन्टेनेंस तथा एरियर्स रिकवरी के उपायों की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि "सेफ्टी परेड" का मुख्य उद्देश्य सुरक्षा उपकरणों का उपयोग करते हुए कार्य करने के लिए प्रेरित करना है। तकनीकी कर्मचारी पॉवर कंपनी की ऐसी इकाईयां है, जिनके माध्यम से उपभोक्ताओं को बेहतर सुविधा प्रदान की जा रही है, अतः बचाव के साधनों का पूरा उपयोग कर तकनीकी कर्मचारियों को बिजली संबंधी कार्य करना चाहिये।

इन कार्यक्रमों में अतिरिक्त मुख्य अभियंता श्री विकास कुमार गुप्ता ने डिस्चार्ज रॉड की महत्ता बताते हुए तकनीकी कर्मचारियों को इसे हमेशा साथ रखने सचेत किया। उन्होंने कहा सेफ्टी बेल्ट, सेफ्टी झूला, हेलमेट और दास्ताना पहने बगैर कोई भी लाइन कर्मचारी खंभे पर ना चढ़ें।

अधीक्षण अभियंता श्री एस.आर. बांधे ने कहा कि विद्युत कनेक्शन में सहीं अर्थिंग बहुत महत्वपूर्ण है, ये बात सभी उपभोक्ताओं को बताएं और स्वयं भी इसकी जांच करें। कार्यपालन अभियंता श्री ओपी भारद्वाज ने राजस्व वसूली के उपायों पर विस्तार से चर्चा की। इसी क्रम में कार्यपालन अभियंता श्री डी.के.भारती ने संभाग में एरियर्स कम होने का श्रेय लाइन स्टाफ, सहायक/कनिष्ठ अभियंता की मेहनत को दिया। उन्होंने कहा कि टीमवर्क के साथ ये सभी एरियर्स कम करने के लिए कंधे से कंधा मिलाकर काम कर रहे हैं।

# राजनांदगांव में अंतरक्षेत्रीय शास्त्रीय एवं सुगम संगीत प्रतियोगिता संपन्न

राजनांदगांव क्षेत्र में 6 एवं 7 फरवरी 2020 को अंतरक्षेत्रीय विद्युत पॉवर कंपनीज शास्त्रीय एवं सुगम संगीत प्रतियोगिता का आयोजन डॉ. बलदेव प्रसाद मिश्र शासकीय उच्चत्तर माध्यमिक शाला, बसंतपुर राजनांदगांव के ऑडिटोरियम में संपन्न हुआ। इसमें रायपुर क्षेत्र, जगदलपुर क्षेत्र, बिलासपुर क्षेत्र, कोरबा पूर्व, दुर्ग क्षेत्र, रायपुर सेंट्रल एवं राजनांदगांव क्षेत्र की टीमों ने भाग लिया।

क्षेत्रीय क्रीड़ा एवं कला परिषद राजनांदगांव क्षेत्र द्वारा आयोजित स्पर्धा के समापन समारोह में मुख्य अभियंता श्री टीके मेश्राम ने कहा कि प्रदेश स्तर पर आयोजित पॉवर कंपनीज के इस प्रकार के आयोजनों से अधिकारियों एवं कर्मचारियों के बीच आपसी समझ एवं भाईचारे को बढ़ावा मिलता है। शास्त्रीय एवं सुगम संगीत से मानसिक तनाव को कम करने मे मदद मिलती है। इस अवसर पर श्री टी.के. मेश्राम ने भी गजल सुनाकर उपस्थितजनों को भावविभोर कर दिया। विजयी प्रतियोगियों को श्री मेश्राम ने पुरस्कृत किया।

सुगम संगीत, फिल्मी-गैर फिल्मी गायन, शास्त्रीय पुरुष-महिला वर्ग में विजेता रेशमा सेतपाल, देवशीष महापात्र, एनके दत्ता, श्रीमती माणिक वर्मा एवं उपविजेता श्रीमती प्राची वर्मा, सत्यनारायण श्रीवास, विनय कुमार गुप्ता, श्रीमती प्राची वर्मा रही। इसी तरह स्वर वाद्य, काव्य पाठ, ताल वाद्य में पुरुष-महिला वर्ग से श्रीमती माणिक वर्मा, श्री एसपी मंडावी, श्री मोहम्मद राशिद खान, श्रीमती अर्चना जोषी, श्री मधु गढ़ेवाल विजेता रहे तथा उपविजेता होने का गौरव श्री भूमेद खण्डाते, श्री अशोक शर्मा, श्रीमती कल्पना श्रीवास्तव,

श्री रामस्नेही अयंगर को प्राप्त हुआ। वाद्य वादन के स्वर एवं ताल की प्रस्तुति में हारमोनियम पर श्री एमएल पाल एवं तबला श्री केके मुखर्जी की जुगलबंदी में श्रोताओं को झुमने पर मजबूर कर दिया।

प्रतिस्पर्धा में निर्णायक श्री अब्दुल सलाम कौसर, श्री आत्मा राम कौसा, श्री ब्रम्हानंद एवं श्री निरपाराम, की महत्वपूर्ण भूमिका रही। कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के रुप में अतिरिक्त मुख्य अभियंता श्री आरके मिंज, क्षेत्रीय क्रीड़ा एवं कला परिषद के सचिव श्री डीपी बरूवा, कल्याण अधिकारी श्री अशोक कुमार पिल्लई, पीआरओ श्री डीएस मंडावी, श्री विरेन्द्र श्रीवास्तव, श्री चन्द्रभान सिंह, श्री अशोक मोरे, श्री रामकुमार, श्री नरोत्तम साहू सहित अन्य अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित हुए। मंच संचालन श्री प्रशांत तिवारी द्वारा किया गया।

# हसदेव ताप विद्युत गृह में राष्ट्रीय संरक्षा सप्ताह संपन्न

हसदेव ताप विद्युत गृह कोरबा पश्चिम में राष्ट्रीय संरक्षा सप्ताह मनाया गया। समारोह में मुख्य अतिथि मुख्य अभियंता एसके मेहता ने कहा कि संरक्षा सप्ताह का आयोजन ही काफी नहीं है। संरक्षा मानको का पालन करना प्रत्येक कर्मचारी का दायित्व है। विद्युत संयंत्र के सभी अधिकारी-कर्मचारी जागरूक बनें, साथ ही संरक्षा उपकरणों का इस्तेमाल करने के लिए सहकर्मियों को भी प्रेरित करें। अधीक्षण अभियंता (संरक्षा) राजेंद्र कुमार साव ने संरक्षा सप्ताह के कार्यक्रमों की जानकारी दी। इस तरह अवसर अतिरिक्त मुख्य अभियंता संदीप श्रीवास्तव, सुनील नायक ने भी संरक्षा मानकों के पालन एवं संरक्षा उपकरणों के उपयोग पर विशेष जोर दिया।

कार्यक्रम का आरंभ मां सरस्वती की प्रतिमा के सामने दीप प्रज्जवलन कर किया गया। इसके बाद श्री मेहता द्वारा उपस्थित अधिकारी, कर्मचारी एवं श्रमिकों को संरक्षा की शपथ दिलाई गई। कार्यक्रम का संयोजन संरक्षा विभाग के अधीक्षण अभियंता राजेंद्र कुमार साव द्वारा किया गया। कार्यक्रम का संचालन रविंद्र साहू एवं आभार प्रदर्शन सुश्री माया सिंह द्वारा किया गया। एसके चौबे एवं प्रिया मिश्रा का कार्यक्रम को सफल बनाने में योगदान रहा। संरक्षा सप्ताह का समापन एवं पुरस्कार वितरण समारोह 09 मार्च को किया गया।

## एचटीपीएस से सेवानिवृत्तजनों की विदाई

हसदेव ताप विद्युत गृह कोरबा पश्चिम से माह फरवरी में सेवानिवृत्त हुए अधिकारी कर्मचारी सर्वश्री एस.व्ही. खांडेकर, षिषिर कुमार तिवारी, पुरुषोत्तम प्रसाद साहू, उदय सिंह मरावी, संयंत्र देवचरण यादव, हुकुम लाल कुर्वेती, भगत राम सूर्यवंशी, रामजस बर्मन, ठंडाराम राठौर, सचिदा नंद तिवारी, शेख मजीद मोहम्मद, महादेव महंत को पावर कपनी की ओर से भावभीनी विदाई दी गई। सेवानिवृत्तजनो को मुख्य अभियंता एसके मेहता, अतिरिक्त मुख्य अभियंता सुनील नायक, संदीप श्रीवास्तव एवं बीके भगत द्वारा स्मृति चिह्न व प्रशस्ति प्रमाण-पत्र भेंट कर उज्जवल व सुखमय जीवन की कामना की।

सभा को एसव्ही. खांडेकर, एसके तिवारी, पुरुषोत्तम प्रसाद साहू, रामजस बर्मन द्वारा संबोधित किया गया। कार्यक्रम का संयोजन और संचालन वरिष्ठ कल्याण अधिकारी पीआर खूंटे द्वारा किया गया।

कार्यक्रम में जेपी भारिया और सुधेराम का विशेष सहयोग रहा। इस अवसर पर विभिन्न वृत्तों के अधीक्षण अभियंता, कार्यपालन अभियंता समेत अधिकारी-कर्मचारी और सेवानिवृत्तों के परिजन बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

## जांजगीर चांपा में अबाधित बिजली आपूर्ति में जुटे विद्युत कर्मी

जांजगीर चांपा में कोरोना वायरस से बचाव के लिए प्रदेश में लागू लॉकडाउन और कर्फ्यू के दौरान गांव-घर-शहर में अबाधित बिजली देने विद्युत अभियंता, लाईनमेन निष्ठापूर्वक जुटे हुए हैं। उपभोक्ताओं को पेयजल, चिकित्सा सुविधाएं सतत् सुलभ हो, इस हेतु बिजली की निर्बाध आपूर्ति सहित किसी भी प्रकार की गड़बड़ी का त्वरित निदान किया जाता है। इस हेतु मोबाइल वेन के साथ अन्य आवश्यक उपकरणों, सामग्रियों सहित विद्युत कर्मी शिकायत स्थल की ओर रवाना हो जाते हैं। ऐसी घड़ी में फाल्ट दूर करने के उपरान्त उपभोक्ताओं के चेहरे दिखे संतोष से अधिकारियों-कर्मचारियों को राहत मिलती हैं।

# कोरबा पूर्व में राष्ट्रीय संरक्षा सप्ताह में शून्य दुर्घटना के प्रति जागरूकता

***कोरबा पूर्व में राष्ट्रीय संरक्षा दिवस एवं सप्ताह का समापन एवं पुरस्कार वितरण समारोह श्री एस.के. बंजारा के मुख्य आतिथ्य में श्री एस.पी. चेलकर, कारखाना प्रबंधक की अध्यक्षता श्री चंचल पैकरा अति मुख्य अभियंता, आर.एन. पटेल अधीक्षण अभियंता, श्री एस.पी. बारले वरि. कल्याण अधिकारी, श्रीमती रश्मि साहू मुख्य रसायनज्ञ एवं श्री पियूष सोमानी मुख्य संरक्षा अधिकारी की गरिमामय आतिथ्य में संपन्न हुआ।***

इस अवसर पर मुख्य अतिथि श्री बंजारा ने कहा कि शून्य दुर्घटना की लक्ष्य को अर्जित करने सुरक्षा के प्रति सतर्कता के साथ सामूहिक प्रयास आवश्यक है। कारखाना प्रबंधक श्री चेलकर ने कहा कि सुरक्षा को पूर्ण रूप से ध्यान में रखकर कार्य करने के लिए हमें संकल्पित रहना है। श्री पैकरा एवं श्री पटेल ने कहा कि सुरक्षा हम सबकी पहली प्राथमिकता है। श्री पीयूष सोमानी द्वारा प्रश्न मंच का संचालन किया गया।

राष्ट्रीय संरक्षा सप्ताह के दौरान कर्मियों के लिये आयोजित विभागीय निबंध प्रतियोगिता में रजनी कंवर, श्रीमती पूर्णिमा साहू, श्री उदय राठौर, नारा प्रतियोगिता में श्री उदय राठौर, रजनी कंवर, श्रीमती पूर्णिमा साहू, तथा सांत्वना पुरस्कार दिया गया तथा ठेका श्रमिकों से मुकेश यादव एवं दिलीप साहू सभी कर्मियों एवं ठेका श्रमिकों को प्रोत्साहन पुरस्कार से पुरस्कृत किया गया तथा हाइड्रोजन संयंत्र, बॉयलर संभाग एवं टरबाईन संभाग को हाऊस कीपिंग के लिए ट्रॉफी से सम्मानित किया गया।

संयोजन कार्यक्रम का संचालन श्री एस.पी. बारले वरि. कल्याण अधिकारी ने किया। कार्यक्रम का आभार प्रदर्शन श्री कुशवाहा कार्यपालन अभियंता (एस.एण्ड. एस.सी.) ने किया। कार्यक्रम को सफल बनाने में श्री कन्हैया कैवर्त, वरुण सूद, घनश्याम सिंह का सहयोग सराहनीय रहा।

# दुर्ग क्षेत्र में सेवानिवृत्ति पर भावभीनी विदाई

दुर्ग क्षेत्र से माह फरवरी 2020 में अनुभाग अधिकारी सहित सेवानिवृत्त हुए 09 कर्मचारियों को कार्यपालक निदेशक श्री संजय पटेल ने विदाई समारोह में शॉल, श्रीफल, स्मृति चिन्ह एवं प्रमाणपत्र भेंटकर सम्मानित किया। सेवानिवृत्त कर्मियों में शामिल श्री बी.एस. चंदेल, श्री राजेन्द्र कुमार शर्मा, कार्यालय श्री सब्बीर खान, श्री बिसराम सिन्हा, श्री चिंताराम साहू एवं श्री नंद कुमार लोधी, श्री टेकू राम यादव तथा श्रीमती चुम्मन बाई एवं श्री महेश राम साहू कंपनी को उपस्थितजनों ने सुखमय जीवन की कामना के साथ शुभकामनायें दी।

कार्यक्रम में अतिरिक्त मुख्य अभियंता श्री विकास कुमार गुप्ता ने कहा कि सेवानिवृत्तजनों के अनुभव हमारे लिए हमेशा प्रेरणास्रोत रहेंगे। अधीक्षण अभियंता श्री एस.आर. बांधे एवं श्री व्ही.आर. मौर्या अधीक्षण अभियंता श्री हर्ष कुमार मेश्राम ने सेवानिवृत्तजनों के कार्यकाल को कंपनी के लिये उपयोगी बताया। समारोह में वरिश्ठ लेखाधिकारी श्री वाय. कोसरिया तथा कार्यपालन अभियंता श्रीमती सनीली चौहान सहित अन्य अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित हुए। कार्यक्रम का संचालन निज सहायक श्री बी.एस. राजपूत द्वारा किया गया।

# डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी ताप विद्युत गृह में राष्ट्रीय संरक्षा सप्ताह का आयोजन

डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी ताप विद्युत गृह, कोरबा पूर्व में राष्ट्रीय संरक्षा सप्ताह के दौरान में मुख्य अभियंता श्री पी.के.जैन ने सुरक्षा शपथ दिलाते हुये कहा कि सुरक्षा के साथ-साथ स्वास्थ्य एवं पर्यावरण की संरक्षा भी हमारी जिम्मेदारी है। सुरक्षित तरीके से काम करते हुये शून्य दुघर्टना के लक्ष्य को प्राप्त कर सकेंगे। अति.मुख्य अभियंता एवं कारखाना प्रबंधक श्री एच.के. गुप्ता ने कहा कि दुघर्टना से परिवार एवं संयंत्र प्रभावित होता है। अतः हम सबका यह प्रयास होना चाहिए कि हम सुरक्षा नीतियों को अपनाकर कार्य करें।

अगले क्रम में अति.मुख्य अभियंता श्री आलोक लकरा ने कार्य स्थल में सुरक्षा के साथ-साथ सड़क सुरक्षा के संबंध में विचार रखा। कार्यक्रम में श्रीमती अंजना कुजूर एवं श्रीमती स्नेहलता एक्का तथा अति. मुख्य

चिकित्साधिकारी श्री एम.आर. स्नेही ने भी सुरक्षा एवं स्वास्थ्य के प्रति जागरुकता बनाये रखने पर विचार व्यक्त किया। वरि. कल्याण अधिकारी श्री एस.पी. बारले ने ठेका श्रमिकों को सुरक्षा के संबंध में जागरुक करते हुये अपना उद्बोधन दिया। मुख्य संरक्षा अधिकारी श्री अनिल नामदेव ने संरक्षा सप्ताह में आयोजित कार्यक्रमों की जानकारी दी। आभार प्रदर्शन अधीक्षण अभियंता (संरक्षा) श्री आर.पी. टंडन तथा संचालन श्रीमती सुमन सोमानी के द्वारा किया गया। कार्यक्रम को सफल बनाने में ललीता खलखो, श्री शैलेष गुप्ता, श्री एस.के. डेविड सहयोग सराहनीय रहा।

## रायगढ़-खरसिया में विद्युत सेवकों का सम्मान

रायगढ़-खरसिया में विद्युत कर्मियों की टीम ने उपभोक्ताओं तक निर्बाध विद्युत आपूर्ति कर कोरोना वायरस संक्रमण काल में अपनी कार्यकुशलता को प्रदर्शित किया। लॉकडाउन के दौरान घरों में सुरक्षित रहने की अनिवार्यता को बिजली चलित संयंत्रों ने साकार करने में महत्वपूर्ण भूमिका का निर्वहन किया है। इसे दृष्टिगत रखते हुए रायगढ-खरसिया पुलिस ने विद्युतकर्मियों को "कोरोना वारियर्स" विद्युत सेवक से सम्मानित किया।

*रायगढ़ में कनिष्ठ अभियंता श्री खिलेन्द्र पटेल एवं खरसिया शहर के सहायक लाईनमैन श्री ईश्वर पांडे का सम्मान करते हुए चित्र में दृष्टव्य है पुलिस कर्मी....*

# मुख्यमंत्री राहत कोष में विद्युत कर्मियों ने दी सहायता राशि

कोरोना वायरस के संक्रमण की रोकथाम एवं आपदाग्रस्त लोगों की सहायतार्थ छत्तीसगढ़ स्टेट पावर कंपनीज के अधिकारियों कर्मचारियों द्वारा मुख्यमंत्री राहत कोष में एक दिन के मूल वेतन के बराबर की राशि का आर्थिक सहयोग प्रदान किया गया है। पावर कंपनीज के सभी अधिकारियों - कर्मचारियों के माह अप्रैल 2020 के वेतन से एक दिन के मूल वेतन के बराबर की राशि की कटौती की गई। सभी पावर कंपनीज यथा पावर जेनरेशन, ट्रांसमिशन, डिस्ट्रीब्यूशन, ट्रेडिंग एवं होल्डिंग कंपनी के अधिकारियों-कर्मचारियों के वेतन कटौती से प्राप्त सहयोग राशि को होल्डिंग कंपनी द्वारा एकजाई करके मुख्यमंत्री राहत कोष में रुपए 3,00,80,126 जमा कराया गया। पावर कंपनी के लगभग साढ़े 16 हजार अधिकारियों कर्मचारियों की ओर से मुख्यमंत्री राहत कोष को दी जाने वाली राशि तीन करोड़ के करीब होगी। पावर कंपनी के अधिकारियों कर्मचारियों की ओर से दी जाने वाली सहायता राशि को आयकर अधिनियम के प्रावधानों के अनुसार आयकर में छूट संबंधी कार्यवाही आगामी वित्तीय वर्ष की आयकर की गणना के समय की जावेगी।

# अकलतरा में सामाजिक संस्था 'पहल' द्वारा बिजली कर्मियों का सम्मान

कोरोना वायरस कोविड 19 के संक्रमण को रोकने के उपायों को अमल में लाते हुए विद्युत कर्मियों द्वारा निर्बाध बिजली आपूर्ति की जा रही है। विकट परिस्थितियों से जूझते हुए उपभोक्ता सेवा में जुटे बिजली विभाग के ऐसे अधिकारियों-कर्मचारियों का सम्मान अकलतरा में सामाजिक संस्था पहल द्वारा किया गया। पहल के पदाधिकारियों ने कार्यपालन अभियंता आरएस पटेल, सहायक अभियंता एएस तिवारी, कनिष्ठ अभियंता अनिता झाड़े, कुंवर दास सहित उपस्थित अधिकारियों-कर्मचारियों को सुरक्षा की कामना के साथ सेनिटाइजर, मास्क भेंट किया गया तथा करतल ध्वनि के साथ उनका उत्साहवर्धन किया। इस अवसर पर 'पहल' संस्था के सर्वश्री कैलाश ताम्रकार, गगन सिंघानिया, राजेश अग्रवाल, डॉ. राजीव दीक्षित, विष्णु भोजासिया, सौरभ जैन, कृष्ण शर्मा की सराहनीय भागीदारी रही।

## संस्कृति महिला मंडल ने कोरोना महामारी से लड़ाई में दिया योगदान

बिलासपुर क्षेत्र की संस्कृति महिला मंडल ने कोरोना वायरस (कोविड-19) के वैश्विक आपदा से सरकार की चल रही लड़ाई में अपना योगदान दिया है एवं प्रधानमंत्री राहत कोष, मुख्यमंत्री राहत कोष एवं जिला रेडक्रास सोसाइटी को क्रमशः 20-20 हजार कुल 60 हजार रुपए का चेक कलेक्टर बिलासपुर संजय अलंग को संस्कृति महिला मंडल की अध्यक्ष श्रीमती मंजुला सिंह, सचिव श्रीमती कल्पना घाटे व श्रीमती रूनकी अम्बस्ट कोषाध्यक्ष ने सौंपा। इस अवसर पर एडिशनल कलेक्टर बी.एस. उइके, कार्यपालन अभियंता अमर चौधरी व महिला मंडल के अन्य सदस्य मौजूद रहे।

## "सार्थक" बिलासपुर द्वारा ऑनलाइन प्रतियोगिता का आयोजन

बाल विकास के लिए कार्यरत सामाजिक संस्था "सार्थक" बिलासपुर द्वारा सकारात्मक सोच एवं रचनात्मकता की भावना को प्रोत्साहित करने के लिए लॉकडाउन में ऑनलाइन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इसमें शहर के विभिन्न विद्यालयों के बच्चों ने चित्रकला, कोलाज आर्ट, केलीग्राफी, फैंसी ड्रेस, ग्रीटिंग कार्ड मेकिंग, गायन में हिस्सा लिया। विजेता बच्चों को पुरस्कार से सम्मानित किया गया है। कार्यक्रम के सफल आयोजन में महेश श्रीवास, कमलेश शुक्ला, श्रीनिवास, सुदीप्ता मुखोपाध्याय, मनीष क्षत्री एवं संतोष महतो का योगदान रहा।

## जीवन परिचय

# मुख्य अभियंता श्री मधुकर जामुलकर

***"कड़ी मेहनत, कार्य के प्रति लगन एवं निष्ठा ही वह मंत्र है जो शासकीय सेवा यात्रा में किसी भी अधिकारी-कर्मचारी को अनवरत् सफलता के शीर्ष की ओर अग्रसर करते है।" ऐसी सोच को अपनी सेवायात्रा में अमल में लाते हुए श्री मधुकर जामुलकर वर्ष 1992 में ग्रेजुएट ट्रेनी के पद से आगे बढ़ते हुए आज मुख्य अभियंता के शीर्ष पद पर पदस्थ हैं।***

छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी में मुख्य अभियंता (राजस्व) के पद पर रायपुर में सेवारत श्री जामुलकर का जन्म 30 मार्च, 1967 में चरौदा-भिलाई जिला दुर्ग में हुआ। अपनी माता स्व. श्रीमती पी. जामुलकर एवं पिता स्व. बीआर जामुलकर से मिली प्रेरणा और सुसंस्कार से आपने वर्ष 1984 में दक्षिण पूर्व रेल्वे हायर सेकण्डरी स्कूल चरौदा से हायर सेकण्डरी तथा वर्ष 1989 में शासकीय इंजीनियरिंग महाविद्यालय रायपुर से बीई इलेक्ट्रिकल की उपाधि प्रथम श्रेणी में प्राप्त की।

अध्ययन की पूर्णता के उपरान्त मध्यप्रदेश विद्युत मण्डल जबलपुर में ग्रेजुएट ट्रेनी के पद से 1992 से आपने अपनी सेवायात्रा आरंभ की। आगे 1993 में सहायक अभियंता के नियमित पद पर आपकी नियुक्ति 132 केव्ही भिलाई-3, दुर्ग में हुई। सौंपे गये दायित्वों का कुशलतापूर्वक निर्वहन को आपने अपनी कार्यशैली में प्रदर्शित किया, फलस्वरूप 1999 में आपको कार्यपालन अभियंता तथा वर्ष 2008 में अधीक्षण अभियंता के पद पर पदोन्नति प्राप्त हुई। इन पदों पर आपने राजनांदगांव, डोंगरगढ़ में अपनी सेवाएं दी।

इस दौरान बीएसएनएल लाईन से सैप बिलिंग सिस्टम को संचारण-संधारण संभाग डोंगरगढ़ एवं खैरागढ़ में प्रारंभ करने का महत्वपूर्ण कार्य आपने पूर्ण किया जिससे इन दोनों संभाग में बिलिंग आरंभ की जा सकी और राजस्व में भी उत्साहजनक वृद्धि हुई। इसे उत्कृष्टता की श्रेणी में रखते हुए 15 अगस्त, 2007 में केन्द्रीय स्तर पर आपको पुरस्कृत होने का गौरव प्राप्त हुआ।

आगे वर्ष 2011 में आपको अतिरिक्त मुख्य अभियंता के पद पर पदोन्नति प्राप्त हुई और आपकी पदस्थापना राजनांदगांव में हुई। इस पद पर अपनी कार्यकुशलता को प्रदर्शित करने का अवसर आपको रायपुर तथा दुर्ग में भी प्राप्त हुआ। वर्ष 2019 में आपकी उत्कृष्ट सेवाओं का मूल्यांकन करते हुए पॉवर कंपनी प्रबंधन द्वारा मुख्य अभियंता के पद पर पदोन्नति दी गई। इस पद पर आपकी पदस्थापना मुख्य अभियंता (राजस्व) रायपुर में हुई। आपकी अभिरूचि संगीत, गायन एवं क्रिकेट में हैं।

# एबीवीटीपीएस मड़वा में राष्ट्रीय संरक्षा सप्ताह मनाया गया

अटल बिहारी वाजपेयी ताप विद्युत गृह (एबीवीटीपीएस) मड़वा में राष्ट्रीय संरक्षा सप्ताह का आयोजन 04 से 09 मार्च मे किया गया। पुरस्कार एवं समापन समारोह में मुख्य अभियंता आरके श्रीवास ने कहा कि विद्युत संयंत्र में संरक्षा का दायित्व हम सब पर है। संरक्षा सप्ताह में सभी की भागीदारी यह दिखाती है कि आप सभी संरक्षा के प्रति जागरूक हैं। इसके साथ ही संरक्षा विभाग द्वारा संरक्षा पर आधारित फिल्म का प्रदर्शन किया गया। रॉयल शू एम्पोरियम कोरबा द्वारा संरक्षा उपकरणों की प्रदर्शनी लगाई गई।

कार्यक्रम में सर्वश्री आरके श्रीवास, अरुण वर्मा, सुनील विश्वास, टीएल देवांगन, रजनीश जांगड़े और राजाबाबू कोसरे के आतिथ्य मे समारोह सम्पन्न रहे। कार्यक्रम के संयोजक अधीक्षण अभियंता (संरक्षा) आरएल ध्रुव द्वारा संरक्षा सप्ताह में हुए कार्यक्रमों पर प्रकाश डाला गया। कार्यक्रम में संरक्षा पर जागरुकता एवं व्याख्यान, नारा एवं निबंध प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। संरक्षा सप्ताह में हुई स्पर्धा के विजयी प्रतिभागियों संजय झा, सावित्री कंवर, संजीव सारथी, हितेश सूर्यवंशी, नारायण प्रसाद साहू, अद्धू केंवट, इंद्रजीत सिंह, सुबोध शुक्ला को मुख्य अभियंता एवं अन्य अतिथियों के हाथों पुरस्कार बांटा गया।

सरंक्षा सप्ताह के कार्यक्रम का संयोजन अधीक्षण अभियंता आरएल धुरव द्वारा किया। कार्यक्रम का संचालन संरक्षा अधिकारी नरेंद्र देवांगन एवं आभार प्रदर्शन कार्यपालन अभियंता एसआर विश्वकर्मा द्वारा किया गया। कार्यक्रम में अधीक्षण अभियंता रामजी सिंह, नीरज वैश्य, एसडी द्विवेदी, अग्निशमन अधिकारी एमके रायकवार, कार्यपालन अभियंता अमिताभ शुक्ला, संरक्षा अधिकारी विजय कुमार बर्मन, सहायक प्रकाशन अधिकारी बसंत शाहजीत, सुरक्षा अधिकारी डी तिर्की समेत बड़ी संख्या में विभिन्न वृत्तों के अधीक्षण अभियंता, कार्यपालन अभियंता एवं अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित रहे।

# कोरबा पूर्व में वर्किंग वूमेन्स एसोसिएशन द्वारा महिला दिवस मनाया गया

*कोरबा पूर्व ताप विद्युत गृह में कार्यरत कार्मिक महिलाओं ने प्रशिक्षण संस्थान सभागार में अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस का आयोजन श्रीमती कल्याणी बिजौरा के मुख्य आतिथ्य श्रीमती निवेदिता बंजारा अध्यक्ष, प्रेरणा महिला मंडल की अध्यक्षता में सोल्लास किया।*

इस अवसर पर श्रीमती बिजौरा ने शुभकामनाएं देते हुए कहा कि खूबसूरत दुनिया के लिय स्त्री और पुरुष दोनों का होना बहुत जरूरी है। वर्तमान परिवेश में महिलाओं ने काफी तरक्की की है। उनका अधिकारों के प्रति जागरुक रहकर कर्तव्य निर्वहन में विशेष योगदान सदैव प्रशंसनीय रहा है। कार्यक्रम में प्रेरणा महिला मंडल की अध्यक्षा श्रीमती बंजारा ने नारी शक्ति पर रोचक कविता प्रस्तुत कर अपनी भावनाओं की अभिव्यक्ति दी। उन्होंने कहा कि महिलाएं सभी क्षेत्रों में आगे हैं। ऐसे में उन्हें राष्ट्रीय विकास के लिए अपने अधिकारों और अपने कर्तव्यों का बोध होना चाहिए।

इस अवसर पर संकल्प महिला मंडल के कोरबा पश्चिम की श्रीमती सोनिया बघेल, श्रीमती ज्योति जैन, श्रीमती वंदना कोले, श्रीमती सीमा नायक, श्रीमती सपना लहरी, श्रीमती सूर्यकान्ता कश्यप, एवं श्रीमती अल्का बंछोर विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित थे। साथ ही श्री एसके बंजारा मुख्य अभियंता, श्री एसपी चेलकर अति मुख्य अभियंता, श्री एसपी बारले वरि. कल्याण अधिकारी एवं श्री एके कुरनाल मुख्य रसायनज्ञ की गरिमामय उपस्थिति रही। प्रतिवेदन श्रीमती मालती जोशी वरिष्ठ रसायनज्ञ ने प्रस्तुत किया।

इस अवसर पर महिला क्रिकेट टीम के सभी खिलाड़ी श्रीमती उर्मिला बनाफर, राजकुमारी जांगडे, प्रीति कंवर, रीना सिंह धुरंधर, हेमलता नारंग, गायत्री तिवारी, जेनेबिबा लकरा, राजेश्वरी तोंडे, आस्था गढेवाल, निराला केरकेट्टा, रजनी कंवर, रश्मि साहू, नीलिसा दास, मैनेजर श्रीमती मालती जोशी तथा श्री एएस तोमर को कोच गाईड के लिए मेडल तथा कोरबा पूर्व के सभी उपस्थित ठेका श्रमिकों को प्रतीक चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया गया। महिला कर्मियों ने रोचक नुक्कड़-नाटक का मंचन किया जिसमें श्रीमती रश्मि साहू, श्रीमती उर्मिला बनाफर, कुमारी प्रीति कंवर, श्रीमती राजकुमारी जांगडे, हेमलता नारंग, जेनेबीबा लकरा, आस्था गढेवाल, श्रीमती रिंकी राठौर, सुषमा, नीराला केरकेट्टा एवं श्रीमती रजनी कंवर ने अहम भूमिका निभाई। कार्यक्रम को सफल बनाने में श्री कन्हैया लाल कैवर्त एवं हरिचरण का सहयोग सराहनीय रहा। कार्यक्रम का आभार प्रदर्शन श्रीमती रश्मि साहू वरिष्ठ रसायनज्ञ तथा संचालन संयुक्त रूप से श्रीमती वंदना बरेठ एवं रीना धुरंधर ने किया।

## राजनांदगांव में सेवानिवृत्ति पर विदाई

राजनांदगांव क्षेत्र में कल्याण अधिकारी श्री अशोक कुमार पिल्लई एवं लेखाधिकारी श्रीमती ए हेमलता की सेवानिवृत्ति पर भावभीनी विदाई दी गई। लगभग चार दशक से अधिक सेवायात्रा को पूर्ण कर सेवानिवृत्त हुये इन अधिकारियों को राजनांदगांव क्षेत्र के मुख्य अभियंता श्री टीके मेश्राम ने स्मृति चिन्ह, उपहार एवं प्रमाण पत्र देकर उनके भावी सुखमय जीवन की कामना की। विदाई समारोह में श्री पिल्लई एवं श्रीमती ए हेमलता ने अपने सेवाकाल का विवरण देते हुए अधिकारियों एवं कर्मचारियों को सहयोग के लिए धन्यवाद ज्ञापित किया।

इस अवसर पर अधीक्षण अभियंता श्री वायके मनहर, स्टॉफ अफसर श्री केके देवांगन, निज सहायक श्री एसके बक्शी, श्री पीआर

साहू, श्री एसके मरठा, श्री प्रकाश सोनटापर एवं श्री डी दिलेश्वर राव उपस्थित हुए। कार्यक्रम का संचालन सहायक प्रकाशन अधिकारी श्री धर्मेन्द्र शाह मंडावी द्वारा किया गया।

# कोरोना के संक्रमण से बचते बिजली बहाली में डटी महिला अभियंता

***कोरोना वायरस और उसके संक्रमण के भय से मानव समुदाय जूझ रहा है। सभी के चेहरे पर भय की लकीर साफ साफ दिखाई दे रही है। ऐसे दौर में कोरोना वायरस से संभावित खतरे को देखते हुए छत्तीसगढ़ राज्य शासन ने प्रदेश में आवश्यक सेवा अनुरक्षण कानून 10 सेवाओं पर लागू कर दिया है। इसमें बिजली आपूर्ति भी शामिल है। ऐसे दौर में पुरुष अधिकारियों के साथ साथ महिला अधिकारियों- कर्मचारियों द्वारा बिजली व्यवस्था को बनाए रखने में साहस के साथ सहभागिता दिखाई जा रही है, वह अभूतपूर्व है।***

सुरुचि कौशल

मेघा गड़पायले

आरती वर्मा

प्रार्थना शुक्ला

महिला कर्मियों के साहस को इस अवसर पर सलाम करने की आवश्यकता है। छत्तीसगढ़ स्टेट पावर कंपनी की अनेक महिला अभियंताओं के कंधे पर इस वक्त रायपुर शहर की विद्युत व्यवस्था को बेहतर बनाए रखने की जबरदस्त जिम्मेदारी है। रायपुर शहर में लगभग साढ़े तीन लाख विद्युत उपभोक्ता हैं। इनसे जुड़े बिजली विषयक कामों का बखूबी निर्वहन करते हुए हंसती मुस्कुराती महिला अभियंता अभियंता अपनी ड्यूटी पर निष्ठापूर्वक तैनात है।

रायपुर शहर की विद्युत व्यवस्था को सुदृढ़ बनाने की दृष्टि से दो भागों में बांटा गया है। नगर वृत्त एक और नगर वृत्त दो। इन दोनों बृत्तों के अधीन 33 /11 के वी के करीब 83 उप केंद्र तथा उनसे संबद्ध 84 वितरण ट्रांसफार्मर स्थापित है। इन प्रणालियों के माध्यम से शहर की बिजली व्यवस्था को बहाल रखने में उच्चाधिकारियों के साथ दस महिला अभियंताओं की टीम अपनी कार्य दक्षता को व्यक्त करने में जुटी है।

प्रतिकूल परिस्थितियों में कार्यरत महिला अभियंताओं में शामिल रावण भाटा जोन में कार्यरत सहायक अभियंता श्रीमती यशोदा रौतिया कहती हैं कि कोरोना वायरस का संकट समूचे मानव समुदाय के सिर पर मंडरा रहा है, ऐसे क्षण में बिजली जन जन की ताकत है, प्राणवायु की तरह आवश्यक है। इसकी सतत आपूर्ति एक चुनौती भरा कार्य है। इसे हम टीम वर्क और उपभोक्ताओं के सहयोग से बेहतर ढंग से कर सकने में कामयाब हुए हैं। ऑनलाइन सुविधाएं वर्तमान में बहुत सहायक सिद्ध हुई है। हालांकि सुनसान रास्ते में ड्यूटी पर आते समय गाड़ी बिगड़ने अथवा पंचर हो जाने का खतरा भी हमें आशंकित करता है।

इन्ही की तरह महिला अभियंता नीलम पोया कहती हैं कि राज्य शासन की गाईडलाइन के अनुसार हम सुरक्षित तरीके से कार्य कर रहे हैं। उपभोक्ताओं से आग्रह करते हैं कि वे टेलीफोन के माध्यम से अथवा ऑनलाइन अपनी समस्या को दर्ज कराएं। इसी तरह खमतराई जोन में कार्यरत सहायक अभियंता प्रार्थना शुक्ला कहती हैं कि कोविड-19 वायरस के खतरे से जूझते हुए जन सेवा करना अपने आप में चुनौती भरा कार्य है। घर में मेड का आना जाना बंद हो गया है, ऐसे में परिवार और कार्यालय की दोहरी जिम्मेदारी का निर्वहन हमें सुरक्षा के साथ शीघ्रता से कार्य करने की सीख दे रहा है।

मन को मजबूत बनाए हूए घर पर रहने के दौरान भी हमारा पूरा ध्यान बिजली व्यवस्था बेहतर बना रहे इसकी मॉनिटरिंग पर लगा होता है। इन्ही के साथ कार्यरत अभियंता निधि सूर्यवंशी कहती हैं पारिवारिक दायित्वों से कहीं ज्यादा जवाबदारी प्रदेशवासियों को संकट से उबारने की है। बिजली की शिकायत कम से कम हो और उसका निदान जल्द से जल्द हो इसके लिए संकल्पित होकर काम कर रही हूं। ऐसे ही दिल को छू जाने वाली बात टाटीबंध जोन की महिला अभियंता सोनाली सान्याल कहती हैं कि जब हमारी नियुक्ति शासकीय संस्थान में होती है तो यह तय हो जाता है कि राष्ट्र-राज्य और जन हितैषी काम को सर्वोच्च प्राथमिकता देना है।

अपने जीवन में कोरोना महामारी की कल्पना हमने नहीं की थी पर इस कोरोना के क्रूर स्वरूप ने हमें और मजबूती से काम करने के लिए तैयार कर दिया है। आरती वर्मा कहती हैं कि हमारे देश-प्रदेश और घर-परिवार को बिजली के बूते सुरक्षित रखने में महिला अधिकारी-कर्मचारी कामयाब होंगी। ऐसी प्रेरक बातों के साथ अगले क्रम पर टाटीबंध जोन की अभियंता मेघा गड़पायले कहती हैं कि बिजली का कोई धर्म नहीं होता। सभी के जीवन में खुशियों का रंग बिखेरती बिजली से हर समुदाय के लोग उम्मीद करते हैं की उनके जीवन में आए अंधकार को बिजली दूर करेगी। लोगों की उम्मीदों के अनुरूप चौबीस घंटे बिजली आपूर्ति का काम हम विषम परिस्थितियों में कर रहे हैं।

सोनाली सान्याल

यशोदा रौतिया

नीलम पोया

निधि सूर्यवंशी

मध्य भारत का सबसे बड़ा स्कोडा सेंटर गुढ़ियारी में पदस्थ महिला अभियंता सुरुचि कौशल बताती हैं कि लॉकडाउन और कर्फ्यू के दौरान हमें सामान्य दिनों से अधिक समय तक काम करना पड़ रहा है। शिफ्टवाइज ऐसी ड्यूटी लगाई गई है कि अधिकारियों कर्मचारियों की संख्या कम से कम हो। सोशल डिस्टेंसिंग मेंटेन किए हुए मास्क, सैनिटाइजर का उपयोग के साथ कार्यालयीन कार्यों का अनुभव आजीवन याद रहेगा। हमारा काम शहर भर की विद्युत प्रणालियों पर नजर रखना होता है कहीं भी गड़बड़ी होती है तो तत्काल उसकी जानकारी स्कोडा सेंटर को मिलती है जिससे कम से कम समय में बिजली गड़बड़ी को दूर कर लिया जाता है।

ऐसी कर्मठ महिला अभियंताओं में शामिल देवपुरी जोन की शालिनी कोठारी और डीडी नगर जोन की अंजनी सिंग का विश्वास है कि कोरोना वायरस का विनाश जल्द ही छत्तीसगढ़ से हो जाएगा और छत्तीसगढ़ ऊर्जा से उन्नति की ओर पूर्ववत अग्रसर होगा। महिला अभियंताओं ने अब तक आई बिजली समस्यों तथा अन्य प्रकरण का निदान सामान्य दिनों की तरह किया है। कोरोना वायरस के संक्रमण के दौर ने महिला-पुरुष कर्मी के भेदभाव को समाप्त कर मुसीबतों का मूकाबला मुस्तैदी के साथ करने की सीख दी है। हमें भरोसा है कोरोना पर जल्द ही हमारी विजय अवश्य होगी।

# डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी ताप विद्युत गृह में अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस का आयोजन

डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी ताप विद्युत गृह, कोरबा पूर्व में वर्किंग उमेन एसोसिएशन द्वारा अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस का आयोजन डॉ. श्रीमती साधना खरे, प्रोफेसर (सामाजशास्त्र), शासकीय महाविद्यालय कोरबा मुख्य आतिथ्य एवं विशिष्ट अतिथि अति. मुख्य अभियंता श्रीमती स्नेहलता एक्का, श्रीमती अंजना कुजुर, श्री एचके गुप्ता, श्री आलेक लकरा की गरिमामय उपस्थिति में संपन्न हुआ।

मुख्य अतिथि श्रीमती डॉ.खरे ने अपने उद्बोधन में कहा कि महिलाओं को राष्ट्र की समृद्धि के लिये संविधान में दिये गये अधिकारों का उपयोग करना चाहिए इससे वे आगे बढ़ेंगे और उनके आत्मविश्वास में वृद्धि होगी। कार्यक्रम में अन्य अतिथियों सहित श्री देवेश दुबे ने भी महिलाओं के प्रगति एवं विकास पर जोर दिया। इस अवसर पर सांस्कृतिक कार्यक्रम के साथ महिला क्रिकेट टीम के सभी खिलाड़ियों को प्रतीक चिन्ह भेंट किया गया।

कार्यक्रम का आभार प्रदर्शन श्रीमती राजेश्वरी रावत तथा कार्यक्रम का संचालन श्रीमती कविता ठक्कर एवं प्रीती पालीवाल द्वारा संयुक्त रूप से किया गया।

कार्यक्रम को सफल बनाने में वरिष्ठ कल्याण अधिकारी श्री एसपी बारले, सुश्री प्रिती पालीवाल, श्री एसके डेविड, श्री जयकिशोर साहू का सहयोग सराहनीय रहा। इस आयोजन में संयंत्र के समस्त महिला अधिकारी कर्मचारी एवं ठेका श्रमिकों ने हिस्सा लिया।

# कण्डिल बाबा

कमरे की सफाई के दौरान पुराने अखबार, कापी-किताबों तथा अन्य अव्यवस्थित सामानों के ढेर में से काम की चीजों को अलग कर रहा था, तभी उसमें एक जीर्ण-शीर्ण कण्डिल मिला। उठाकर देखा तो उंगलियां नम हो गई। मुझे लगा कि कण्डिल में बची हुई मिट्टीतेल की कुछ बूंदें गिरी होगी; किन्तु सूंघने पर गंधहीन लगा। मैं सोच में पड़ गया कि इसमें पानी कहां से आया होगा; और वह भी सिर्फ कुछ बूंदें! अचानक किसी बुजुर्ग के कराहने जैसी आवाज सुनकर मैं किसी अनिष्ट की आशंका से भयमिश्रित भाव लिये स्तब्ध था, तभी कमरे में एक धीमी आवाज गूंजी कि "घबरा मत बेटा, मैं कण्डिल बोल रहा हूं, कुछ लोग मुझे लालटेन भी कहते हैं; जिससे तुम्हारी उंगलियां नम हुई, वह मिट्टीतेल या पानी नहीं अपितु मेरे अश्रु हैं।"

मेरे मन में अचानक यह बात आई कि "एक निष्प्राण-निर्जीव वस्तु कैसे बोल सकता है ?" कमरे में वही आवाज फिर गूंजी कि "दुनिया में नदियां, पर्वत, पठार और यहां तक कि कोई भी वस्तु निष्प्राण-निर्जीव नहीं है; जरूरत है तो सिर्फ उनकी भाषा समझने की, उनकी उचित देखभाल करने की और उनकी संवेदनाओं को महसूस करने की!"

मैंने कहा कि "आप तो बहुत गूढ़ बात कह गये!" उन्होंने तपाक से कहा कि "पहली बात यह कि तुम्हारे लिये मैं 'आप' नहीं, 'बाबा' हूं।

बाबा ने फिर कहना प्रारम्भ किया कि "आज अनुपयोगी समझ कर भले ही मुझे फेंक दिये हो किन्तु जिन घरों में विद्युत की पहुंच नहीं हो सकी है, वहां मैं आज भी उपयोगी हूं।

*कमलेश सिंह बनाफर*

दुर्भाग्यवश लोग अब विरोध प्रदर्शन हेतु मशाल-जुलूस निकालने में ही इसका उपयोग करते हैं! पेट्रोमेक्स, जिसे बोलचाल की भाषा में सब 'गैस' ही कहते थे; इसकी रोशनी कण्डिल, मशाल आदि से कई गुना ज्यादा होने के कारण न केवल भारत अपितु पूरी दुनिया में बहुत काम आता था। ये चिमनी, ढिबरी, मशाल, पेट्रोमेक्स; मेरे ही परिवार के सदस्य हैं और नन्हा दीपक, जो सदैव 'तमसो मा ज्योतिर्गमय' एवं 'आत्मदीपो भवः' का बोध कराता है, जिसके बिना न तो पूजन या अनुष्ठान सम्भव है और न ही दीपावली; मेरा लाडला परपोता है।" मैं अवाक होकर सब सुन रहा था।

मैने हाथ जोड़कर कहा कि "बाबा, आपका हर रूप उपयोगी है। मैं तो आपका आजीवन ऋणी रहूंगा। पांच दशक पहले के विद्युत विहीन मेरे गांव का दृश्य आज भी मेरी स्मृतियों में जीवन्त है। शाम होते ही गोधुली बेला में कण्डिल का जलना हर घरों में समान रूप से नियत क्रम में होता था। घर के सदस्यों की कण्डिल में मिट्टीतेल भरने एवं कण्डे की राख से बहुत सावधानीपूर्वक कांच पोंछने तथा बत्ती ठीक कर उसे जलाने की जिम्मेदारी तय होती थी।

चूंकि लिखने का कार्य सूर्य की रोशनी में करना सुविधाजनक होता था, इसलिये रात में कण्डिल को बरामदे के बीच में रखकर घर के सभी बच्चे बालभारती किताब की कवितायें 'खूब लड़ी मर्दानी वह तो झांसी वाली रानी थी...' 'चाह नहीं मैं सुरबाला के गहनों में गूंथा जाऊं...' और 'यह कदम्ब का पेड़ अगर मां होता यमुना तीरे...' आदि का सस्वर वाचन करते थे। अंग्रेजी में छुट्टी के लिये आवेदन के साथ-साथ काऊ, पोस्टमेन व माई स्कूल का निबन्ध रटते थे तो संस्कृत में सुभाषितानि व 'बालकः बालकौ बालकाः' याद करते थे।

बाबा ने लम्बी सांस खींचते हुये कहा कि "बेटा, मेरे बड़े-बुजुर्ग बताते थे कि सेना को रात में रोशनी हेतु एक ऐसे प्रकाश स्रोत की आवश्यकता थी जिसकी लौ तेज हवा और बारिश में न बुझे तथा जिसे एक स्थान से दूसरे स्थान तक ले जाने में भी आसानी हो; तब मेरा अर्थात् कण्डिल का आविष्कार हुआ और यही कारण है कि सेना में प्रयुक्त वर्दी तथा अन्य सामग्रियों की तरह मेरा रंग भी प्रायः हरा होता है।

सेना के अतिरिक्त रेलगाड़ियों के चालकों को संकेत (सिग्नल) देने में भी वर्षों तक मेरी सार्थक उपयोगिता रही है।" मैंने कहा कि "बाबा, आपका अतीत प्रेरणादायी और गौरवशाली रहा है। आने वाली पीढ़ियों को तो यह एक कहानी की तरह लगेगी।"

"लगातार जलने के कारण मेरी बत्ती के ऊपर जमी राख की परत साफ नहीं होने से मेरी रोशनी कम हो जाती है और कई बार मैं बुझ भी जाता हूं। इसके माध्यम से मेरा यह संदेश है कि आप लोग भी अपने अवगुणों को दूर करते रहिये; अन्यथा यह बहुमूल्य जिन्दगी व्यर्थ ही गुजर जायेगी। इसी तरह आवश्यकता से अधिक प्रकाश की अपेक्षा में बत्ती चढ़ाने से न केवल मेरा कांच काला हो जाता है अपितु उसके तड़कने का भी भय बना रहता है अर्थात् हमें अपनी मर्यादाओं के भीतर ही रहना चाहिये" उसने कहा। "बाबा! बुजुर्गों की बातों में सदैव एक संदेश छिपा होता है, यह अलग बात है कि हम लोग सुन कर भी अनसुना कर देते हैं" मैंने कहा।

"बेटा, तुम सब कुछ बदल सकते हैं, लेकिन अपने पूर्वज नहीं। मेरी इस दुर्दशा के लिये तुम्हारा विद्युत विभाग जिम्मेदार है।" मैंने बड़ी विनम्रतापूर्वक कहा कि "बाबा, परिवर्तन तो संसार का नियम है; जो इसे स्वीकार नहीं करेगा वह प्रगति पथ पर अग्रसर कैसे होगा? विद्युत से तो देश का विद्युत गति से चहुंमुखी विकास हुआ है। सभी के घरों में रोशनी और खेतों में हरियाली आई है। जन्म से लेकर मृत्यु तक कदम-कदम पर आपको विद्युत की उपस्थिति मिलेगी और उसकी उपयोगिता न केवल परिलक्षित अपितु सिद्ध भी होगी।"

थोड़ी नाराजगी भरे स्वरों में बाबा ने कहा कि "मैंने कभी यह नहीं सोचा था कि इंसान रंग बदलने में गिरगिट को भी पीछे छोड़ देगा और समय-चक्र बदलते ही मुझे एक कोने में या कूड़े के ढेर में फेंक देगा। मेरी तड़प, मेरी पीड़ा, मेरी तकलीफ, मेरा संताप, मेरा दुःख और इन सबसे बढ़कर मेरे निःस्वार्थ समर्पण भाव को किसी ने समझने की कोशिश नहीं की! सुबह होते ही लोग फूंक मारकर मुझे

बुझा देते थे। किसी ने कभी मेरा आभार नहीं माना ?"

"नहीं... नहीं.... बाबा! मुझे अच्छी तरह याद है कि गांव में मेरी दादीजी बरामदे में नियत खूंटी में टंगे कण्डिल की लौ को प्रातः उजाला होने के समय अपनी आंचल से हवा देकर ससम्मान विदा करती थी; फूंक मारकर नहीं बुझाती थी। वह भावुक होकर कृतज्ञता ज्ञापित करती थी कि 'जय दीया माता, भरे-भरे आ, जुच्छा-जुच्छा जा, धरती-पृथवी जुड़ाय, नाग-नागिन जुड़ाय अउ हमुं जुड़ान।' (अर्थात् हे ज्योति! अंधकार की निराशा एवं जड़त्व को दूर करने अपने साथ ऊर्जा व खुशहाली लेकर आती हो लेकिन हम आपको खाली विदा करने हेतु विवश हैं। आपके आशीष से धरती और उसके समस्त जीवों के जीवन में सुख-समृद्धि आये; नाग-नागिन जो धरती माता का भार वहन किये हैं, उन्हें भी विश्राम मिले और हम सभी सुख-शान्तिपूर्वक जीवनयापन करें)।

"यह सब तो ठीक है बेटा, तुम्हारी दादीजी को मैं सादर नमन करता हूं, लेकिन मेरा सवाल है कि आखिर मैं उपेक्षित क्यों पड़ा हूं?" मैंने कहा कि "बाबा, उपेक्षा का प्रमुख कारण 'जनरेशन-गेप' के परिवर्तन को स्वीकार नहीं करना एवं अपनों से बहुत ज्यादा अपेक्षा रखना है। आप आधुनिक पीढ़ी के साथ सामन्जस्य नहीं स्थापित कर पा रहे हैं क्योंकि आप अतीत में जीते हैं। आपको लगता है कि आपका गुजरा हुआ समय सबसे अच्छा था क्योंकि उस समय आप युवा थे और अपने बुजुर्गों का सम्मान करते थे। इसके विपरीत आज के युवा कल (भविष्य) को आज (वर्तमान में) जीना चाहते हैं और बुजुर्गो पर निर्भर होने के बजाय आत्मनिर्भर होना चाहते हैं। समस्या यह है कि वर्तमान में कोई जीना नहीं चाहता; न बुजुर्ग और न युवा! यह दोनों पीढ़ियों की जिम्मेदारी है कि वे एक-दूसरे की भावनाओं को समझें और सम्मान करें। बाबा! एक ही विनती है कि वृद्धावस्था की झुर्रियों को हृदय में मत पड़ने देना और कभी-भी आत्मा को वृद्ध मत होने देना।"

वर्तमान पीढ़ी मुझे भले ही भूल जाये लेकिन रात्रि में एक साथ अध्ययन एवं एक साथ भोजन के रूप में संस्कार सम्प्रेषण की इस दिनचर्या को अपने बच्चों तक अवश्य ले जायें। गौरवशाली अतीत वापस आ जाये।

# एक युद्ध- नोबेल कोरोना के विरुद्ध

विश्व स्वास्थ्य संगठन द्वारा नोबेल कोरोना वायरस संक्रमण को महामारी घोषित किया गया है। इसकी चपेट में आकर पूरे विश्व की अर्थव्यवस्था चौपट होती दिखाई दे रही है। गरीबों, प्रतिदिन रोजी रोजगार करने वाले, ठेला चलाने वाले, रिक्शा चलाने वाले, दिहाड़ी मजदूरी करने वालों पर तो यह बीमारी एक कहर बनकर टूटी है।

विश्व स्वास्थ्य संगठन के मुताबिक चीन के वुहान शहर के 'सी फूड' बाजार में इस वायरस का जन्म हुआ। चिकित्सा विज्ञान के मुताबिक इसके संक्रमण से मनुष्य के फेफड़े प्रभावित होते है, सांस लेने में तकलीफ होने लगती है। ऐसे संक्रमित व्यक्ति की पहचान होने पर या ऐसे लक्षण दिखाई देने पर त्वरित शासन प्रशासन को खबर करना सबके लिये हितकारी है। नोबेल कोरोना संक्रमण से बचने के लिए शासन प्रशासन के निर्देशानुसार लाकडाउन के नियम शर्तों का पालन करते हयेएक दूसरे से सामाजिक दूरी बनाये रखना है। हमें अपनी जिम्मेवारी अपने देश के प्रति अपने प्रदेश के प्रति निभाना है।

देश-प्रदेश में नोबेल कोरोना संक्रमण से भयंकर युद्ध की स्थिति बन पड़ी है। यह युद्ध किसी भी हालत में जीतना है,और कोरोना संक्रमण को रोकना है, जड़ से समाप्त करना है। आओ प्रण करें, कोरोना संक्रमण के विरुद्ध निर्धारित नियमों व चिकित्सकों के आदेशों का पालन करते हुए, कोरोना वारियर्स बनकर संक्रमण पर विजय प्राप्त करें।

***श्री के के पाठक***
*कार्यालय सहायक श्रेणी-एक, रायपुर*

# सपने में भी डरें कोविड 19 से

## आईना बोलता है

कोरोना वायरस कोविड 19 का डर सोते जागते सता रहा है। कोरोनामय जिंदगी जीते जीते कल रात मुझे लोगों के खिलखिलाने की आवाज सुनाई दी। मैं सोच में पड़ गया कि कौन 'सोशल डिस्टेसिंग' को तोड़कर इस तरह हंसी खिलवाड़ में जूटा है। बिस्तर छोड़ कर मैं खिलखिलाहट की आवाज की दिशा में चल पड़ा। वहां पहुंच कर मैंने देखा कि बहुत सारे कोरोना वायरस किसी जश्न में डूबे भीड़ की तरह आपस में बतिया रहे थे। उनमें से एक वायरस कह रहा था वायरस खानदान की दबंगता के कारण पूरी दुनिया में त्राहि-त्राहि मचा हुआ है। इंसान अपने घरों में उल्लू की भांति घुसा बैठा है। हमें कोसते हुए सभी एक ही सुर अलाप रहे हैं कि ना जाने कब मरेगा यह कुकर्मी कोरोना।

इस वायरस की बात पर ठहाका लगाते हुए एक अन्य वायरस ने कहा हमें कुकर्मी कहने वाला मानव ही सही अर्थों में आज कुकर्मी बन बैठा है। उसके ही कुकर्मों से हम जैसे वायरसों और विविध विकारों का जन्म दूनियां में हो रहा है। धरती माता ने मानव समुदाय को विविध प्रकार की सुख सुविधाएं दी हैं। इंसान एक बीज धरती पर डालता है तो बदले में उसे धरती माता कई गुना ज्यादा अनाज के दाने लौटा देती है। इसके बावजूद घने जंगल में फैलते दावानल की तरह इंसानों के भीतर लालच की आग हर पल धधक रही है। लालच की चासनी में डूबा इंसान अपनी बुद्धि विवेक खो बैठा है। इंसान धन के पीछे तब तक भाग रहा है जब तक उसका निधन नहीं हो जा रहा है।

इस कोरोना वायरस की बात को आगे बढ़ाते हुए एक अन्य वायरस ने कहा चांद तारों पर पहुंचने का घमंड दिखाने वाला इंसान आज कोरोना वायरस की चपेट में आकर चारों खाने चित होकर धूल चाटते नजर आ रहा हैं। दूनियां के कई देशों में कोहराम मचाते अब हमने भारत के भीतर प्रवेश कर लिया है।

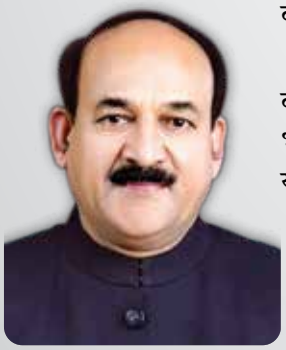



विजय मिश्रा
संपादक

इतना सूनते ही वहां बैठा एक अन्य कोविड किसी भड़कीले सांड की तरह भड़क उठा। वह हुंकार भरते बोला हमें यहां बहुत ज्यादा पांव पसारने का मौका ही नहीं मिल रहा है। हम यहां पागल कुत्ते की भांति गांव शहर की गलियों में शिकार की तलाश में लगे हुए हैं। सोशल डिस्पेंसिंग को तोड़ने कीजरा भी गलती इन्होंने की तो हम इन्हें ऐसे दबोच लेंगे जैसे कि एक मकड़ी अपने जाल में फंसे कीड़े को दबोच कर चूस डालती है।

तभी वहां बैठा एक बूढ़ा सा कोरोना वायरस बोल पड़ा ऐसे संकट के समय में भी डॉक्टर, पुलिस और बिजली वालों को देख देख कर लगता है कि ये बिचारे अपनी जान जोखिम में डालकर, अपने घर परिवार को छोड़कर जन मन की सेवा में लगे हैं। ऐसे कई जनसेवकों की जान भी जा चुकी है। ऐसे संकटकालीन दौर में गरीबों की पीड़ा को अनदेखी कर कई लोभी लालची इंसान अपने घरों में जरूरत से ज्यादा खानपान की चीजें एकत्रित करके बैठे है।

ऐसे लोगों को देख कर एक कथा की याद आ रही है। एक किसान के बैलगाड़ी से चावल की एक बोरी गिर गई। इससे अनभिज्ञ किसान आगे चला गया। बोरी के फटने से बिखरे चावल के दानों को वहां एक चिड़िया, गिलहरी और गाय खाने लगी। इन तीनों ने पेट भर चावल ही खाए और संतुष्ट होकर चले गए। इनके बाद वहां से एक इंसान गुजरा। चांवल की बोरी को देखते ही उसकी आंखों में धूर्तता और जीभ में लालच ने रंग दिखाना आरंभ कर दिया। वह बिना देर किए पूरी बोरी को उठा कर तेजी से अपने घर की ओर चला गया।

इतना कह कर वह बूढा वायरस लंबी सास छोड़ते हुए बोला कि छोटे-छोटे जीव जंतु अपने साथ दूसरों के पेट का भी ध्यान रखते हैं, किंतु केवल मनुष्य ऐसा प्राणी है जो अपना पेट , अपना घर भरने में जिंदगी भर लगा रहता है। झूठी शान शौकत के दिखावा में डूबे अनेक लोग लॉक डाउन की स्थिति में भी फर फर मोटर गाड़ी मैं धूल उड़ाते उड़ाते घूम रहे हैं। ऐसे अज्ञानियों को संदेश देना होगा कि "क्यों इतराते हो अपने ठाठ बाट पर , खाली रहेगा हाथ जब जाओगे घाट पर। " इन पंक्तियों पर वाह भाई वाह, कहते हूए एक अन्य वायरस अचानक पीछे की ओर पलटा तो उसकी नजर मुझ पर पड़ गई। वह मुझे झपटने दौड़ पड़ा। उसे अपनी ओर आते देख कर मैं बदहवास भागने लगा।

भागते भागते एक गड्ढे में जा गिरा और बचाओ बचाओ चिल्लाने लगा। तभी मेरी धर्मपत्नी मुझे झंझोंड़ते हुए बोली -क्या हुआ ? क्यों बचाओ बचाओ चिल्ला रहे हो जी ? तब मेरी नींद टूट गई। मैंने देखा कि यह तो एक स्वप्न था। मैंने अपने माथे पर आए पसीने को पोंछते हुए प्रण कर लिया कि कोरोना वायरस से बचने के लिए देश- प्रदेश , घर-परिवार के मुखिया के आदेशों का पालन करूंगा। लॉकडाउन तक स्वप्न में भी घर से बाहर नहीं निकलूंगा।

प्रिंटक स्केनर मिश्राबाड़ा, तात्यापारा, रायपुर 88899 14459

**छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर होल्डिंग कंपनी मर्यादित डंगनिया, रायपुर**

फोन : 0771-2574702, फैक्स : 0771-2574702 | website : www.cspc.co.in

प्रमाणित किया जाता है कि पत्रिका के मेक मुद्रण/प्रकाशन आदि गुणवत्ता एवं पत्रिका के अंदर के पृष्ठों में 90 जीएसएम आर्ट पेपर (सिनारमास) और कवर पृष्ठों में 220 जीएसएम आर्ट पेपर (सिनारमास) का उपयोग किया गया है - मुद्रक